संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 330
पृष्ठ 8
बुधवार
21 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोज सुबह उठ कर खा लें... | विचार- इतिहास के उन ओझल पन्नों की... | खेल- एक ओवर में ३६ रन! समोआ के...

हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय शिखर बैठक

भारत और मलेशिया के बीच उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और मलेशिया ने अपनी विस्तारित रणनीतिक साझीदारी को समग्र रणनीतिक साझीदारी का रूप देने और सेमीकंडक्टर, फिनटेक, रक्षा उद्योग, एआई और क्वांटम टेक्नोलॉजी जैसे उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का मंगलवार को फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच आज यहां हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय शिखर बैठक में यह निर्णय लिया गया। दोनों देशों ने कामगारों के रोजगार, पर्यटन, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, युवा एवं खेल, संचार, डिजिटल तकनीक, वित्तीय क्षेत्र सहित आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये तथा भारत मलेशिया सीईओ रिपोर्ट को स्वीकृति प्रदान की। बैठक के बाद श्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का उनके पहले भारत दौरे पर स्वागत किया और कहा, "मुझे खुशी है कि मेरे तीसरे

कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे भारत में आपका स्वागत करने का अवसर मिल रहा है।" उन्होंने कहा कि भारत और मलेशिया के बीच विस्तारित रणनीतिक साझीदारी का एक दशक पूरा हो रहा है। और पिछले दो सालों में, श्री इब्राहिम के सहयोग से हमारी साझीदारी में एक नई गति और ऊर्जा आई है। आज हमने आपसी सहयोग के सभी क्षेत्रों पर व्यापक रूप से चर्चा की है। श्री मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया दोनों देश सदियों से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। मलेशिया में रह रहे लगभग 30 लाख भारतीय प्रवासी हमारे बीच एक जीवंत सेतु हैं। भारतीय संगीत, खान–पान और उत्सव से लेकर मलेशिया में तोरण गेट तक हमारे लोगों ने इस मित्रता को संजोया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष मलेशिया में हुआ पीआईओ दिवस' एक बहुत सफल और लोकप्रिय कार्यक्रम था। जब हमारे नए संसद भवन में सेंगोल की स्थापना हुई, तो उस एतिहासिक क्षण का जोश मलेशिया में भी देखा गया। आज कामगारों के रोजगार संबंधी समझौते से, भारत से कामगारों की भर्ती के साथ–साथ उनके हितों के संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। लोगों के आवागमन को सरल बनाने के लिए हमने वीजा प्रक्रिया को आसान बनाया है। विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति और सरकारी अधिकारियों के प्रशिक्षण पर बल दिया जा रहा है। अब (आई–टेक) छात्रवृति के अंतर्गत मलेशिया के लिए साइबर सुरक्षा और एआई जैसे अत्याधुनिक कोर्स के लिए 100 सीटें विशेष रूप से आवंटित की जाएगी। मलेशिया की "यूनिवर्सिटी तुन्कु अब्दुल रहमान" में एक आयुर्वेद अध्ययन पीठ स्थापित की जा रही है। इसके अलावा, मलेया यूनिवर्सिटी में तिरुवल्लुवर अध्ययन पीठ स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया है। उन्होंने कहा कि आसियान और हिन्द प्रशांत क्षेत्र में मलेशिया, भारत का अहम साझीदार है। भारत आसियान केन्द्रीयता को प्राथमिकता देता है। हम अंतराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप नौवहन एवं उड्डयन की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध हैं। और, सभी विवादों के शांतिपूर्वक हल का पक्ष रखते हैं। श्री मोदी ने कहा कि हम सहमत हैं कि भारत और आसियान के बीच मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा को समयबद्ध तरीके से पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हम दोनों ने रक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग की नई संभावनाओं पर भी बात की है। आतंकवाद और अतिवाद के खिलाफ लड़ाई में भी हम एकमत हैं। श्री मोदी ने कहा कि आज हमने आपसी सहयोग के सभी क्षेत्रों पर व्यापक रूप से चर्चा की। हमने देखा कि हमारे द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर प्रगति हो रही है। अब हमारा व्यापार रुपये और रिंगिट में भी हो रहा है। पिछले वर्षों में मलेशिया द्वारा भारत में पांच अरब डॉलर तक का निवेश किया गया है। आज हमने निर्णय लिया है कि हम अपने सहयोग को 'समग्र रणनीतिक साझीदारी' के स्तर तक बढ़ाएंगे।

समयबद्ध और निष्पक्ष होना चाहिए जनता की समस्याओं का निस्तारण : सीएम योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि गरीबों को उजाड़ने का दुस्साहस करने वाले माफियाओं एवं दबंगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गरीबों की जमीन कब्जे से तो बचाई ही जाएगी, साथ ही जिन भी जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने ये निर्देश मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। उन्होंने इस दौरान करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। योगी आदित्यनाथ ने उनकी बातें सुनने के बाद पास खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर उन्हें निर्देश दिया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वस्त किया कि प्रभावी कार्रवाई करते हुए सबकी समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। जमीन कब्जा किए जाने की कुछ शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शा न जाए, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजस्व एंव पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा क्योंकि जन स्वास्थ्य की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है।

राजीव गांधी के सपनों को पूरा करूंगा : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए उन्हें जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि कांग्रेस उनके सपनों को पूरा करेगी। कांग्रेस पार्टी तथा पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की 80वीं जयंती पर आज उन्हें याद कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि पार्टी उनके सपनों को पूरा करेगी। श्री गांधी ने अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, "एक करुणामय व्यक्तित्व, सौहार्द और सद्भावना के प्रतीक पापा, आपकी सीख मेरी प्रेरणा है और भारत के लिए आपके सपने मेरे अपने–आपकी यादें साथ ले कर इन्हें पूरा करूंगा।" श्री खडगे ने कहा, "राजीव गांधी के जीवन के कार्यों का सबसे बड़ा स्मारक भारत की सहानुभूति, उपचार और मेल–मिलाप की अंतर्निहित संस्कृति को पुनर्जीवित करना, बौद्धिक स्वतंत्रता, तकनीकी नवाचार और युवा सशक्तीकरण को बढ़ावा देना होगा।" उन्होंने कहा, "यह एक संतुलित दृष्टिकोण के साथ हासिल किया जाएगा जो समानता के साथ पंचायती राज स्तर पर समृद्धि को जोड़ता है, जिससे एक सामंजस्यपूर्ण, समान, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील राष्ट्र के लिए उनकी दृष्टि का सम्मान किया जाता है। राजीव गांधी जी को उनकी 80वीं जयंती पर सेंट्रल हॉल, संविधान सदन में हमारी श्रद्धांजलि।"

बस कुछ ही घंटे हैं... दिल्ली के कई शॉपिंग मॉल को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के एंबियंस मॉल में बम की झूठी धमकी के कुछ दिनों बाद, साउथ दिल्ली के तीन मॉल और एक अस्पताल को ईमेल के ज़रिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने लोगों को बाहर निकाला और इमारतों की तलाशी ली। ईमेल में लिखी धमकी में दावा किया गया था कि कुछ घंटों में विस्फोटक फट जाएगा। हालाँकि, यह धमकी झूठी निकली। चाणक्य मॉल, सेलेक्ट सिटीवॉक, एंबियंस मॉल और अन्य सहित दिल्ली के कई शॉपिंग मॉल को बम की धमकी वाले ईमेल मिले। दिल्ली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बम निरोधक दस्ते और दमकल गाड़ियों को स्थानों पर तैनात किया। अभी तक कोई बम नहीं मिला है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि धमकी भरे ईमेल में एक पैटर्न है, जिसमें कोई खास समयसीमा नहीं बताई गई है। अधिकारी जांच जारी रखे हुए हैं और अधिक जानकारी का इंतजार है। अलर्ट मिलने पर दिल्ली पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और दमकल गाड़ियों को प्रभावित स्थानों पर भेजा। अभी तक कोई बम नहीं मिला है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने संकेत दिया कि धमकी भरे ईमेल में भी इसी तरह का पैटर्न था, लेकिन कोई विशेष समयसीमा नहीं बताई गई। अधिकारी मामले की सक्रियता से जांच कर रहे हैं।

जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए अधिसूचना जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी, जिसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गयी। जम्मू–कश्मीर में 90 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए तीन चरणों में चुनाव कराये जाने हैं, जिसके पहले चरण में 24 सीटों पर मतदान कराये जाएंगे। राजपत्र में जारी अधिसूचना के अनुसार पहले चरण के चुनाव के नामांकन 27 अगस्त, मंगलवार तक कराये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की समीक्षा 28 अगस्त को होगी और नाम 30 अगस्त तक वापस लिये जा सकेंगे।

डॉक्टर दुष्कर्म–हत्या : सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त तक मांगी रिपोर्ट, नेशनल टास्क फोर्स का गठन

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम के कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या मामले की स्वतः संज्ञान सुनवाई करते हुए मंगलवार को 10 सदस्यीय एक नेशनल टास्क फोर्स (एनटीएफ) का गठन किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ अपना आदेश सुनाते हुए कहा कि यह टास्क फोर्स चिकित्सा से संबंधित पेशेवरों की सुरक्षा,भलाई और अन्य संबंधित मामलों पर गौर करेगी। शीर्ष अदालत की निगरानी वाला यह टास्क फोर्स चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक नेशनल प्रोटोकॉल तैयार करेगा। इस टास्क फोर्स देश के जाने–माने वरिष्ठ चिकित्सकों के अलावा सरकार के कई प्रमुख वरिष्ठ अधिकारी पदेन सदस्य होंगे। एनटीएफ के सदस्यों में सर्जन वाइस एडमिरल आर सरीन, डॉ. डी नागेश्वर रेड्डी, डॉ. एम श्रीनिवास, डॉ. प्रतिमा मूर्ति, डॉ. गोवर्धन दत्त पुरी, डॉ सौमित्र रावत, प्रोफेसर अनीता सक्सेना, प्रमुख कार्डियोलॉजी, एम्स दिल्ली, प्रोफेसर पल्लवी सप्रे, डीन ग्रांट मेडिकल कॉलेज मुंबई, डॉ पद्मा श्रीवास्तव, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, राष्ट्रीय शामिल होंगे। भारत सरकार के कैबिनेट सचिव, भारत सरकार के गृह सचिव, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षक बोर्ड के अध्यक्ष इसके पदेन सदस्य होंगे।

साहित्यकार साहित्य ही नहीं रचता, समाज को दिशा देता है : प्रो. रवि मिश्र

रचनाकारों का हुआ सम्मान, कवि, लेखकों ने व्यक्त किए उद्गार

प्रयागराज। लोकरंजन प्रकाशन की ओर से पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह का एक कार्यक्रम केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगानाथ झा परिसर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर ललित कुमार त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रवि मिश्र, प्रोफेसर अशोक पाण्डेय व डॉक्टर अशोक शुक्ल, लोकरंजक प्रकाशक के संरक्षक पी सी पांडेय की उपस्थिति सम्मानीय रही। कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों ने माँ वाणी के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन व पुष्प समर्पित करके साक्षी बनाया। प्रियम पांडेय की माँ वाणी की वंदना के साथ कार्यक्रम ने मूर्त रूप लिया। सुधा मिश्रा ने संस्कृत गीतम् प्रस्तुत कर तमाम तालियाँ बटोरी। इस अवसर पर मंचस्थ अतिथियों का अंगवस्त्रम से सम्मान किया गया।

सुर्ख गुलमोहर की रचनाकार सुनीता त्रिपाठी, मिली श्रीवास्तव की आधार मेरी पहचान, रामजीत मिश्र का भजन संग्रह विनय प्रसून और रंजन पांडेय की पुस्तक कोटा फीवर का विमोचन हुआ।

इस अवसर पर श्रीप्रकाश मिश्र की अनूदित रचना, महेन्द्र प्रसाद शुक्ल की लॉकडाउन का लोकतंत्र, बजरंग प्रसाद की गीता का काव्यानुवाद, जनार्दन प्रसाद अस्थाना की गीत बनी बाउल, श्रीराम मिश्र तलब जौनपुरी की कभी खुल क्यों नहीं जाते, उमेश श्रीवास्तव का उपन्यास गुनई, शिवराम मुकुल मतवाला का मतवालों की मधुशाला, प्रोफेसर मिथलेश कुमार त्रिपाठी की छंदाजलि, गिरीश श्रीवास्तव की गिरीश के मुक्तक, भरत सोमैय्या की मेरे इस दिल में, आशिक जौनपुरी की मुहब्बत करके देखो, विजय लक्ष्मी विभा की अपनी अपनी भूल, डाक्टर स्नेह सुधा का प्रणय गीत, पूर्णिमा की पूर्णिमाञ्जलि, रामजीत मिश्र की खुश रहना मुहाल है, प्रोफेसर अरुण कुमार मिश्र की भारतीय संस्कृति में राम, सीमा वर्णिका की कहे वर्णिका आज, सुनीता त्रिपाठी की सुर्ख गुलमोहर, अवधेश श्रीवास्तव की सृजन के फूल, मिली संजय श्रीवास्तव की आधार मेरी पहचान, नीलम यादव की पूर्णिका संग्रह, गीता सिंह की कोठ की बांस, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान की नव दोहा कलश, आदित्य गुप्त की भावनाओं के रंग, रचना सक्सेना की किसकी रचना, सुरेन्द्र नाथ की ऊँघ रहा है बरगद, रामसुख यादव की दरकती पहाड़ी सिसकते आदिवासी, उपन्यासकार रंजन पांडेय की कोटा फीवर, कांति पांडेय की आध्यात्मिक सूत्र, डिजाइनर ब्रह्मानंद मिश्र, संजीव गुप्त, अश्विन पांडेय, पीसी पांडेय को उनकी कृतियों पर शाल ओढ़ाकर, प्रतीक चिह्न तथा प्रमाणपत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कवियों ने अपनी पुस्तक पर विचार व्यक्त करते हुए एक–एक रचना का पाठ किया।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रवि मिश्र ने कहा कि साहित्यकार केवल समाज का चित्रण नहीं करता वरन वह अपने समाज को जीने की कला सिखाता है।

अशोक शुक्ल ने कहा कि जिस तरह अभिनेता कई चरित्र को जीवित करता है, लेखक भी उद्बोधन करता है।

प्रोफेसर अशोक पाण्डेय ने समकालीन विषय जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर लेखन की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि ललित त्रिपाठी ने संस्कृत साहित्यकार मम्मट के मंगलाचरण से शुरू किया। उन्होंने कहा कि जीव मात्र को जीने का अधिकार हो जैसे विषय पर लिखें। लोक व्यथा पर लिखना ही लोक कवि होना कहलाता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रकाशक व लेखक रंजन पांडेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन पी सी पांडेय ने किया।

खटाखट खातों में आएंगे 8500... राहुल के खिलाफ याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने कहा- याचिकाकर्ता ने अपने बारे में नहीं बताया दोबारा रिट दायर करें

प्रयागराज। राहुल गांधी के खिलाफ खटाखट– खटाखट वाले बयान को लेकर दायर याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के बारे में कहा– आप कौन हैं? अपने बारे में भी कुछ नहीं बताया। अपने बारे में डिटेल तो लिखा नहीं। इसके बाद कोर्ट ने कहा– याचिका खारिज की जा रही है।

याचिकाकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता भारती सिंह और उनके वकील ने कहा– उन्हें एक मौका और दिया जाए। फिर वह डिटेल से याचिका दाखिल कर अपने बारे में बताएंगे। ऐसे में कोर्ट ने उन्हें फिर से याचिका दाखिल करने की अनुमति दी। मंगलवार को हाईकोर्ट के जस्टिस एमके गुप्ता और जस्टिस मनीष निगम की खंडपीठ ने मामले पर सुनवाई की।

क्या है मामला जानिए

राहुल गांधी के खटाखट बयान को लेकर 8 अगस्त को भारती सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उन्होंने बयान पर आपत्ति जताई थी। मांग की थी कि कांग्रेस पार्टी के 99 सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाए। पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त हो और पार्टी का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जाए।

दावा– इस वादे में वोट के बदले पैसा देने का लालच था

याचिका में यह भी कहा गया कि कांग्रेस ने इस वादे से मतदाताओं को गुमराह किया। एक तरह से वोट के बदले पैसे देने का लालच दिया गया। कांग्रेस नेता ने अपने वादे से मतदाताओं को भरोसा दिलाया था कि उन्हें वोट के बदले पैसे मिलेंगे। कांग्रेस ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 121(1)(ए) का उल्लंघन किया है। यह भारतीय दंड संहिता के तहत दंडनीय अपराध है।

चुनाव आयोग को भी लेटर भेजा

भारती सिंह ने कहा– चुनाव आयोग ने चुनाव में प्रलोभनों पर 2 मई, 2024 को एडवाइजरी जारी की थी। हमने चुनाव आयोग को इस मामले में कार्रवाई करने के लिए लेटर लिखा। लेकिन आयोग ने कोई कदम नहीं उठाया। इसके बाद जनहित याचिका दायर की।

नतीजों के बाद लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय पहुंची थीं महिलाएं

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के दूसरे दिन 5 जून को मुस्लिम महिलाएं यूपी कांग्रेस पार्टी दफ्तर पहुंच गई थीं। महिलाओं ने कांग्रेस का गारंटी कार्ड दिखाते हुए रुपए की मांग की थी।

कई महिलाओं ने पहले से मिले गारंटी कार्ड पर अपना नाम, पता और नंबर भरकर पार्टी दफ्तर में जमा भी किया। बातचीत में कांग्रेस दफ्तर पहुंचीं जुबैदा ने कहा था– कांग्रेस की सरकार बनने के लिए बड़ी नमाज पढ़ी, दुआ मांगी। भोलेनाथ के सामने हाथ जोड़कर पूजा की। अब तो सरकार बन जाएगी। लोगों ने बहुत नक्शेबाजी की है।

यूपी में इंडी गठबंधन को मिली हैं 43 सीट

लोकसभा चुनाव में I-N-D-I-A ब्लॉक को 234 सीटें मिली हैं। यूपी में इस गठबंधन को 43 सीटें मिली हैं। इसमें सपा को 37 और कांग्रेस को 6 सीटें मिली हैं।

राहुल गांधी 24 अगस्त को प्रयागराज आ रहे

एएमए सभागार में 'संविधान सम्मान समारोह' में होंगे शामिल, लोकसभा चुनाव में उठाया था मुद्दा

प्रयागराज। लोकसभा में विपक्ष के नेता व सांसद राहुल गांधी 24 अगस्त को प्रयागराज आ रहे हैं। यहां महाराणा प्रताप चौराहा स्थित AMA (इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन) सभागार में आयोजित होने वाले 'संविधान सम्मान समारोह' में बतौर मुख्य अतिथि वह शामिल होंगे।

दरअसल, यह आयोजन ह्यूमन राइट लीगल नेटवर्क, सामाजिक चेतना फाउंडेशन व समृद्ध भारत की ओर से होने जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में संविधान बचाने का उठाया था मुद्दा

बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस व सपा ने संविधान बचाओ का नारा दिया था। राहुल गांधी ने खुद संविधान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। सड़क से लेकर सदन तक राहुल गांधी संविधान पर ही फोकस रहे। कांग्रेस का इसका लाभ भी मिला थ।

इसीलिए इस कार्यकम का नाम भी संविधान सम्मान समारोह दिया गया है। ह्यूमन राइट लीगल नेटवर्क के अध्यक्ष केके राय का कहना है कि राहुल गांधी का यह गैर–राजनीतिक कार्यक्रम है। वह आनंद भवन जाएंगे कि नहीं अब यह तय नहीं है। हालांकि राहुल के आने की सूचना पर कांग्रेसी भी स्वागत में जुटे हैं।

फूलपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर राहुल का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण हो सकता है।

प्रयागराज में महिला से गैंगरेप

जेठ तीन दोस्तों के साथ घर में घुसा, खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया

प्रयागराज। प्रयागराज में महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। उसका आरोप है कि जेठ और उसके दोस्त रात में नशे में उसके घर में घुस आये। उसे जबरन उठाकर खेत में ले गए। वहां पर उसके साथ गैंगरेप किया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। शोर मचाने पर प्राइवेट पार्ट में सरिया से चोट पहुंचाया। जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो वे उसे छोड़कर भाग निकले।

महिला रात भर खेत में बेहोशी की हालत में पड़ी रही। सुबह लोगों ने देखा तो पुलिस और परिजन को सूचना दी। पुलिस उसे लेकर अस्पताल पहुंची। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर है। महिला के बयान पर केस दर्ज कर आरोपी जेठ को अरेस्ट कर लिया है। डीसीपी ने सरिया से प्राइवेट पार्ट में चोट पहुंचाने की बात से इंकार किया है। घटना रविवार को सरायममरेज इलाके की है।

दो महीने से मायके में रहती थी

डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया, सरायममरेज की रहने वाली एक महिला की शादी उतरांव में हुई है। हालांकि वह 2 महीने से अपने मायके सरायममरेज में आकर रह रही थी। महिला ने बताया, रविवार रात में वह घर में दूसरे कमरे में सो रही थी। उसका आरोप है कि उसका जेठ नशे की हालत में तीन दोस्तों के साथ उसके घर में घुस गया। उसके बाद उसे उठाकर खेत में ले गए। जहां पर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। उसने जब विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की और प्राइवेट पार्ट में सरिया से चोट पहुंचाया।

प्रयागराज के बड़ौदा ग्रामीण बैंक में डकैती की कोशिश

तिजोरी नहीं तोड़ सके बदमाश, सीसीटीवी कैमरों को तोड़कर हुए फरार

मऊआइमा। प्रयागराज में लुटेरों ने बड़ौदा पूर्वी उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की तिजोरी तोड़ने की कोशिश की। गंगापार के मऊआइमा के सुल्तानपुर खास इलाके में स्थित इस बैंक का चौनल बदमाशों ने काट दिया। बैंक के अंदर पहुंच तिजोरी तोड़ने की कोशिश की। हालांकि सफल नहीं हो सके। इसके पहले बदमाशों ने बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ दिया था।

बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज

डीवीआर में भी तोड़फोड़ की थी। ताकि लूट के दौरान उनकी तस्वीरें कैमरे में कैद न हो सकें। बैंक अधिकारी ने मऊआइमा थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। हालांकि बैंक और पुलिस दोनों ही इस मामले पर कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर खास फोरलेन के निकट स्थित बड़ौदा पूर्वी उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की शाखा है। रविवार की रात बदमाशों ने बैंक की तिजोरी काटकर कैश ले जाने की कोशिश की। सोमवार सुबह बैंक अधिकारियों को मामले का पता चला। बदमाशों ने वारदात के लिए रविवार चुना क्योंकि सोमवार को रक्षा बंधन की वजह से बैंक बंद रहता है। बैंक के शाखा प्रबंधक आर्यन राज ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

2019 में बदमाशों ने लूटा था कैश

इसके पहले 19 सितंबर 2019 में चार बदमाशों बैंक में डकैती डाली थी। तब बैंक की शाखा कस्बा मऊआइमा में स्थित थी। तब बदमाश 6,27,000 रुपए लूटकर ले गए थे। एक माह बाद पुलिस ने खुलासा करते हुए प्रतापगढ़ के बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद एक बार फिर मऊआइमा के बैंक में वारदात की कोशिश हुई है।

हाईकोर्ट ने मंदिर के पुजारी को नहीं दी जमानत

किशोर के यौन उत्पीड़न का आरोप, वकीला बोला–पुजारी को फंसाया जा रहा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 वर्षीय किशोर के साथ यौन संबंध बनाने के आरोपी पुजारी को जमानत देने से इन्कार कर दिया है। पुजारी पर इस वर्ष फरवरी में मंदिर के पास 12 वर्षीय अनाथ बच्चे के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के आरोप में धारा 377 आईपीसी एवं 3/4 पाक्सो एक्ट के तहत थाना – आदमपुर, अमरोहा में मामला दर्ज किया गया था। अपराध की गंभीरता और पीड़ित के बयानों पर विचार करते हुए कि आरोपी ने कथित कृत्य कैसे किया, जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने आरोपी–आवेदक, जमुना गिरी को जमानत देने से इन्कार कर दिया।

न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, "पीड़ित, जो लगभग 12 वर्ष का नाबालिग है, उसके बयान के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि आवेदक ने ऐसा अपराध किया, जिसने इस न्यायालय की अंतरात्मा को झकझोर दिया। ऐसा कोई कारण नहीं है कि पीड़ित बच्चा आवेदक के खिलाफ इस प्रकार का बयान दे।" कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़ित 12 वर्षीय लड़का है, जो पहले ही अपने माता–पिता को खो चुका है। वह मेला देखने गया था और जब वह वापस नहीं लौटा तो उसके चाचा उसे खोजने गए और उसे रोते हुए पाया।

पूछे जाने पर पीड़ित ने कहा कि आवेदक–आरोपी उसे एक मंदिर के पास ले गया और उसके साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाए। नतीजतन, आरोपी आवेदक को 10 फरवरी, 2024 को गिरफ्तार कर लिया गया।

मामले में जमानत की मांग करते हुए आरोपी ने हाईकोर्ट का रुख किया। जिसमें उसके वकील ने कोर्ट में तर्क प्रस्तुत किया कि गांव की दुश्मनी के कारण उसे वर्तमान मामले में झूठा फंसाया गया। यह भी तर्क दिया गया कि सूचना देने वाला (बच्चे का चाचा) चाहता है कि उसे मंदिर से हटा दिया जाए। इस तरह उसके खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह भी कहा गया कि चोट की रिपोर्ट में धारा 377 आईपीसी के तहत अपराध का उल्लेख नहीं है और जांच के दौरान कोई बाहरी चोट नहीं पाई गई। इसलिए यह प्रार्थना की गई कि उसे जमानत पर रिहा किया जाए। दूसरी ओर सरकारी वकील ने जमानत का विरोध किया और कहा कि आवेदक ने गंभीर अपराध किया है। इस पृष्ठभूमि में आवेदक द्वारा किए गए कथित अपराध की गंभीरता और पीड़ित के बयान पर विचार करते हुए न्यायालय ने उसे जमानत देने का कोई प्रथम दृष्टया कारण नहीं पाया।

प्रयागराज के डॉ. धनंजय चोपड़ा को मिलेगा राजभाषा गौरव पुरस्कार

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ मीडिया स्टडीज के पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. धनंजय चोपड़ा राजभाषा गौरव पुरस्कार मिलेगा। यह पुरस्कार उन्हें नेशनल बुक ट्रस्ट से प्रकाशित उनकी पुस्तक 'भारत में कुंभ' के लिए दिया जा रहा है। अगले महीने हिंदी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित समारोह में उन्हें यह अवार्ड दिया जाएगा।

एफआईआर करा दी, आगे का काम जांच एजेंसियों का

रेलवे ट्रैकों की सुरक्षा, हादसा या साजिश के सवाल पर रेलवे बोर्ड की चेयरमैन हुई असहज, बोलीं–कुछ और पूछिए

प्रयागराज। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन (सीआरबी) जया वर्मा सिन्हा ने मंगलवार को प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियों को लेकर निरीक्षण और समीक्षा बैठक की। इस दौरान बोर्ड की चेयरमैन जया वर्मा मीडिया से भी मुखातिब हुईं। उन्होंने रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे की तैयारियों के दावे किए।

जब भास्कर रिपोर्टर ने उनसे रेलवे ट्रैकों की सुरक्षा को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि 24 घंटे रेलवे पटरियों निगरानी कराने को कहा है। कानपुर में साबरमती एक्सप्रेस के डिरेल होने, ट्रैक पर गार्डर रखे जाने के सवाल पर चेयरमैन थोड़ी असहज हो गईं।

घटना साजिश है या हादसा इस सीधे सवाल पर सीआरबी ने कहा हमने एफआईआर करा दी है, अब आगे का काम जांच एजेंसियों का है। उनकी जांच पूरी होने दीजिये। रेलवे ने अपनी जांच में क्या पाया इस सवाल पर सीआरबी ने कहा मैं कोई जवाब नहीं देना चाहती। यह जांच एजेंसियों का काम है। उन्होंने कहा– इस टॉपिक पर बस हो गया, कुछ और पूछिए।

ट्रैक की सुरक्षा को 24 घंटे पेट्रोलिंग कराई जा रही

रेलवे बोर्ड की चेयरमैन ने कहा–रेलवे पटरियों की सुरक्षा को लेकर हम कुछ नए कदम उठाने वाले हैं। इस पर मंथन चल रहा है। 24 घंटे पेट्रोलिंग कराई जा रही है। ट्रैकों पर सीसीटीवी कैमरे बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने कहा–हजारों किलोमीटर रेलवे ट्रैक की सुरक्षा को लेकर नई योजना पर काम हो रहा है।

जया वर्मा ने कहा– महाकुंभ बहुत ही बेहतर तरीके से होगा। प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों के साथ आसपास के एरिया को भी रेलवे सजाएगा।

प्रयागराज जंक्शन पर पैदल घूमीं, डेवलपमेंट देखा

रेलवे बोर्ड की चेयरमैन (सीआरबी) जया वर्मा सिन्हा मंगलवार सुबह प्रयागराज पहुंचीं। सीआरबी ने रेलवे अफसरों से बातचीत के बाद जंक्शन का दौरान किया। महाकुंभ के मद्देनजर प्रयागराज जंक्शन पर चल रहे रि–डेवलपमेंट कार्यों को देखा। यहां से सीआरबी फाफामऊ स्टेशन पहुंचीं। वहां भी स्टेशन पर हो रहे विकास कार्यों को चेक किया।

सीआरबी जया वर्मा सिन्हा उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे के साथ एनसीआर जोन के महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अफसरों के साथ महाकुंभ मेले से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा भी करेंगी। समीक्षा बैठक में एडीजी, पुलिस कमिश्नर, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, मेलाधिकारी, एसएसपी मेला आदि अफसर भी शामिल होंगे।

महाकुंभ के मद्देनजर बैठक करेंगी

महाकुंभ को लेकर प्रयागराज शहर के सभी 9 रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य चल रहे हैं। सबसे ज्यादा काम प्रयागराज जंक्शन पर हो रहा है। यहां स्टेशन के पुर्नविकास का कार्य अगस्त 23 से ही चल रहा है।

प्रयाग और फाफामऊ स्टेशन अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। इन दोनों ही स्टेशन पर चल रहे विकास कार्य की गति बेहद धीमी है। इसे लेकर पिछले दिनों प्रयागराज पहुंचे उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभुन चौधुरी भी अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई – टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। क्र.सं. (1) कार्य का नाम : समई/पूर्व/गोरखपुर कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न स्टेशनों पर अलग–अलग विकलांगों (दिव्यागों) के लिए सुविधाओं का प्रावधान।, ई–निविदा सूचना सं०: एनईआर–बीएसबी–2024–111, अनुमानित लागत (₹) : 1,61,17,153/–, बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि) (₹) : 2,30,600/–, निविदा बन्द होने की तिथि : 18.09.2024, स्वीकृति पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 08 माह। क्र.सं. (2) कार्य का नाम : समई/सिवान कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न स्टेशनों पर अलग–अलग विकलांगों (दिव्यागों) के लिए सुविधाओं का प्रावधान।, ई–निविदा सूचना सं०: एनईआर–बीएसबी–2024–112, अनुमानित लागत (₹) : 1,00,86,176/–, बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि) (₹) : 2,00,400/–, निविदा बन्द होने की तिथि : 18.09.2024, स्वीकृति पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 08 माह।
● निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2024– 111 से एनईआर–बीएसबी–2024–112 दिनांक 18.09.2024 को 14.30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे।
● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना मे अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी०), वाराणसी

मुजाधि/डब्लू– 205

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं०: 7020242025 दिनांक: 12.08.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/प्रयागराज निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डेरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.: 1	निविदा नं.: 7020242025-162	अनुमानित लागत (रू. में): ₹ 1,50,52,636.32
कार्य का नाम: फर्नीचर आदि के साथ पहली मंजिल पर HWH और NDLS छोर की ओर PCOI स्टेशन भवन का विस्तार।		
अमानत राशि (रू में) : ₹ 2,25,300.00, निविदा बंद होने की तिथि : 04.09.2024 को 15.00 बजे, कार्य समापन की अवधि : 06 माह, कार्य की प्रकृति : भवन कार्य।		
क्र.सं.: 2	निविदा नं.: 7020242025-163	अनुमानित लागत (रू. में): ₹ 4,99,02,774.13
कार्य का नाम: प्रयागराज- PRYJ स्टेशन के PF संख्या-06 पर प्लेटफार्म पर कवर का प्रावधान।		
अमानत राशि (रू में) : ₹ 3,99,500.00, निविदा बंद होने की तिथि : 04.09.2024 को 15.00 बजे, कार्य समापन की अवधि : 06 माह, कार्य की प्रकृति : कोई भी संरचनात्मक इस्पात निर्माण कार्य।		

नोट:- (1) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1466/24 (A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन प्रयागराज के जिलाध्यक्ष बने डॉ0 घनश्याम पटेल

अपवा के जिला प्रभारी बने होलागढ़ के डॉ0 अभिषेक शुक्ला

प्रयागराज। अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन(पंजीकृत) प्रयागराज जिले में संगठन को प्रभावी बनाते हुए अपवा के पूर्व पदाधिकारी डॉक्टर घनश्याम पटेल को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है वही जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ0अभिषेक शुक्ला को प्रयागराज जिले का प्रभारी मनोनीत किया गया है। प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश गुप्ता ने डॉक्टर घनश्याम पटेल को मनोनयन पत्र सौंपते हुए जिलाध्यक्ष मनोनीत किया जाने की शुभकामना देते हुए कहा कि प्रयागराज जिले में अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन संगठन को डॉक्टर पटेल के नेतृत्व में उम्मीद की जाती है की मजबूती प्रदान करेंगे। वही अनुभवी अभिषेक शुक्ला के प्रभारी होने पर जिले में घनश्याम पटेल जिलाध्यक्ष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संगठन को बेहतर ऊंचाइयों पर ले जाने में अपना योगदान प्रदान करेंगे। जिलाध्यक्ष मनोनीत किए जाने के बाद डॉक्टर घनश्याम पटेल निवासी शिवगढ़, सोरांव प्रयागराज ने कहा कि मैं संगठन के मजबूती के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दूंगा और पत्रकारों को न्याय दिलाने और उनके अधिकार के लिए संकल्पित यह अपवा संगठन जिले में किसी भी

पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेगा इसके लिए संगठन निर्णायक स्तर तक पीड़ित पत्रकार को न्याय दिलाने का काम करेगा। जिला प्रभारी डॉ0अभिषेक शुक्ला ने कहा कि अपवा धीरे–धीरे पत्रकारों की आवाज बनता जा रहा है यह संगठन पत्रकारों के मान, सम्मान और अधिकार के लिए दृढ़ संकल्पित है। राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलोत के दिशा निर्देशन में आज दर्जन भर से अधिक प्रदेशों में अपवा मजबूती से पत्रकारों की समस्याओं को सुलझाता और उनके हक के लिए संघर्ष करता चला आ रहा है। आने वाले दिनों में अपवा एक ऐसा संगठन साबित होगा जिसमें जिले से लेकर प्रदेश तक और प्रदेश से लेकर देश तक के सभी पत्रकारों के मान सम्मान और हक एवं अधिकार की लड़ाई निर्णायक स्तर तक लड़ेगा।

सरस्वती के पूर्व संपादक पं0श्री नारायण चतुर्वेदी 'भैया साहब' ,पूर्व राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा एवं प्रख्यात साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी का स्मृति दिवस मनाया गया

झूंसी, प्रयागराज। श्री रामजानकी मंदिर मठ के सभागार में ब्रह्मसमाज सेवा समिति, प्रतिष्ठानपुर,प्रयागराज की ओर से सरस्वती के पूर्व संपादक पं0श्री नारायण चतुर्वेदी 'भैया साहब' ,पूर्व राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा एवं प्रख्यात साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी का स्मृति दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महांत घनश्याम दास शास्त्री जी ने की तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0सियाराम त्रिपाठी एवं पं0चंद्रशेखर मिश्र जी रहे। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में महांत घनश्याम दास

शास्त्री जी ने कहा कि हमारे महापुरूषों ने देश, साहित्य,समाज के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, हमें भी उनके मार्गदर्शन में ऐसा कार्य करना चाहिए की इतिहास बने। संस्थाध्यक्ष साहित्यकार डॉ0 विजयानन्द ने कहा कि युवाओं को संस्कारवान बनाने एवं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए हम सभी लोगों को कुछ ठोस कार्य करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ0सियाराम त्रिपाठी ने पंडित श्रीनारायण चतुर्वेदी के कई संस्मरण सुनाए तथा पं0 चंद्रशेखर मिश्र ने ब्रह्मसमाज के योगदान पर अपना गंभीर विमर्श प्रस्तुत किया। महामंत्री अभयनारायण तिवारी ने संस्था का परिचय प्रस्तुत करते हुए अपने प्रस्ताव रखे,जिसमें ब्रह्मसमाज के वार्षिक कार्यक्रम हेतु छात्र–छात्राओं,वयोवृद्धों तथा स्मारिका हेतु आलेखों के भेजने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2024 ई० की सूचना दी गई।

कार्यक्रम में सर्वश्री विश्वकर्मा उपाध्याय, रमाशंकर शुक्ल, श्रीकांत शुक्ल,ज्योतिशंकर चौबे, ताराशंकर उपाध्याय, कमलाकांत शुक्ल, अशोक कुमार शुक्ल, देव प्रकाश दुबे, प्रेमलाल मिश्र, कल्लू मिश्र, राजेश पांडेय आदि ने अपने रोचक विचार रखे और महामंत्री जी के प्रस्तावों का समर्थन किया।

इस अवसर पर हिंदी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार, सरस्वती के पूर्व संपादक पं0श्रीनारायण चतुर्वेदी 'भैया साहब', पं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं पूर्व राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा जी के स्मृति दिवस पर उनके व्यक्तित्व–कृतित्व की चर्चा करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम संयोजन राजेश पांडेय, कुशल संचालन इंद्रमणि मिश्र तथा आभारज्ञापन संस्थाध्यक्ष डॉ0बिजेंद्र तिवारी 'विजयानन्द' ने किया।

बैकुंठ धाम आश्रम में संस्कृत दिवस समारोह मनाया गया

प्रयागराज। श्रीमद् आर्यावर्त विद्वत् परिषद् एवं प्रयाग विद्वत् परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में तथा जगद्गुरु रामानुजाचार्य प्रयाग पीठाधीश्वर स्वामी श्रीधराचार्य जी महाराज के पावन सान्निध्य में वैकुण्ठ धाम आश्रम अलोपीबाग प्रयागराज के सभागार में संस्कृत दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर एक विद्वत् संगोष्ठी आयोजित की गयी। संगोष्ठी की अध्यक्षता विद्वत् परिषद् के अध्यक्ष महामहोपाध्याय डाक्टर रामजी मिश्र ने की। संगोष्ठी

के मुख्य अतिथि थे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रोफेसर भगवत शरण शुक्ल। संगोष्ठी में संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान ब्रह्मर्षि राधेश्याम पाण्डेय त्रिफला को शाल,पटुका तथा श्रीफल प्रदान कर उनका सारस्वत सम्मान करते हुए उन्हें अभिनन्दन पत्र भेंट किया गया। संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीधराचार्य जी महाराज ने कहा कि संस्कृत संस्कारों की भाषा है। इसमें सारा ज्ञान विज्ञान निहित है। उन्होंने लोगों को संस्कृत के अध्ययन के लिए उत्साहित किया। प्रो भगवत शरण शुक्ल ने कहा कि संस्कृत के अध्ययन के बिना व्यक्ति अपूर्ण है। संस्कृत का ज्ञान अथाह है। स्वामी चक्रधराचार्य ने संस्कृत ग्रन्थों का उल्लेख करते हुए संस्कृत के लालित्य पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय भाषण में डाक्टर रामजी मिश्र ने कहा कि संस्कृत वांग्मय इतना विशाल और अथाह है कि उसके अध्ययन के लिए एक जन्म पर्याप्त नहीं है। भारत की प्रतिष्ठा भारतीय संस्कृति और संस्कृत विद्या से ही है। संगोष्ठी में देवी प्रसाद पाण्डेय ने अपना काव्यपाठ प्रस्तुत किया। ब्रह्मर्षि राधेश्याम पाण्डेय त्रिफला ने अभिनन्दन के लिए विद्वत परिषद का आभार प्रकट किया। संगोष्ठी का संचालन श्रीमती जया मिश्रा ने किया। संगोष्ठी में नगर के प्रतिष्ठित विद्वान, साहित्यकार, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संस्कृत विभाग, सी एम पी' 'महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन

प्रयागराज। संस्कृत विभाग सीएमपी महाविद्यालय में विभाग संयोजक प्रोफे. सुरेंद्र पाल सिंह ने आज दिनांक 20 अगस्त 2024 को संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन किया। प्रतियोगिताओं के क्रम में आज शुद्ध संस्कृत पठन प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें स्नातक एवं परास्नातक स्तरीय विद्यार्थियों ने प्रतिभाग लिया।परास्नातक की

आनमिका को प्रथम स्थान, शुभांशु, श्रद्धा तथा रिया को द्वितीय स्थान और शिवम तथा राम अवतार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। संस्कृत सप्ताह के इस क्रम में कल दिनांक 21 अगस्त 2024 को श्लोक पाठ प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता का निर्णय डॉक्टर सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, डॉक्टर किरण वर्मा तथा डॉक्टर भानु प्रकाश त्रिपाठी ने किया तथा संचालन डॉक्टर मनोज कुमार ने किया।

विश्वनाथ इकाई की काव्यगोष्ठी संपन्न

विश्वनाथ। शहर समता महिला काव्य मंच विश्वनाथ चारि आलि असम इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी सैयदा आनोवारा खातुन जी की संजोजन एवं संचालन में आयोजित किया गया।

मंच का शुभारंभ सैयदा आनोवारा खातुन जी मां सारदे की मूर्ती पर माल्यार्पण और प्रवीणा त्रिवेदी जी ने एक सुंदर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी।आज के मंच पर शहर समता काव्य मंच के सम्पादक आदरणीय उमेश श्रीवास्तव जी को अध्यक्षता का दायित्व अर्पण किया गया।

इस मंच पर उपस्थित थे मुख्य अतिथि के रुप में उत्तराखण्ड से 'बाल प्रहरी' के मुख्य सम्पादक उदय किरोला। उत्तर प्रदेश प्रतापगढ़ से वरिष्ठ लेखिका एवं शिक्षिविद डॉ. अन्नपूर्णा वाजपेयी, नोईड दिल्ली से गजलकार एवं वरिष्ठ साहित्यकार अरुण त्रिवेदी 'अनुपम' वरिष्ठ लेखिका

कवियत्री, प्रवीण त्रिवेदी बेंगलुरु से वरिष्ठ लेखिका,कवियत्री शिक्षाविद अनिता पंडा। लुधियाना से कवियत्री लेखिका अवंतिका विशाल, विश्व नाथ चारिआलि असम से निकुमणि दास शिक्षिका रुखसात पारवीन। प्रयागराज उत्तर प्रदेश से उमेश श्रीवास्तव उपस्थित थे।

सभी ने अपनी अपनी विभिन्न विधाओं पर सुंदर सुंदर काव्य सृजन से मंच पर चार चांद लगा दिए।

अनिता पंडा जी ने –"छुआ अपराध मेघो से झमझम बरस पड़े जलमग्न हुई धरती लोग चित्कार उठे अपराधी कौन" अन्नपूर्णा बाजपेई जी की –"कोख में अपनी सुत को मत मरने दो,देकर जन्म जगत को रोशन करने दो" निकुमणी जी की–"मैं नारी हूं नाश भी हूं और सृजन भी हूं" प्रवीण जी की –"दिल से दिल की लगी है चले चले आओ" अरुण त्रिवेदी जी के –"आदमी ने आदमी को किस कदर देखो छला है" अवंतिका जी की – "प्रीत के धागे को यें बंधन जग में होता है होता सबसे प्यारा" आनोवारा खातुन जी की– "मुझे हम सफर बना लो सारी कसक अपनी दे दो मुझे हम दर्द बना लो" उमेश श्रीवास्तव जी ने सभी के कविताओं पर टिप्पणियां करने के बाद आज की मंच का सभी को ध्यानवाद ज्ञापन अरुण त्रिवेदी जी ने किया।

प्रेम, सौहार्द को प्रगाढ़ करते लोकपर्व, हमारी लोक परम्परा और संस्कृति के संवाहक : अशोक

प्रयागराज। हमारी लोक परम्परा और लोक संस्कृति के संवाहक हमारे लोकपर्व समाज में आपसी प्रेम सौहार्द को प्रगाढ़ करते हुए उल्लास पूर्ण वातावरण का निर्माण कर हमारे सांसारिक रिश्तों को तार–तार जोड़कर मानसिक ऊर्जा प्रदान करते हैं। विभिन्न उपक्रमों के साथ ऐसे पर्वों की मान्यताओं को पूरे रागरंग के साथ मनाने की जरूरत है। रक्षाबंधन पर्व पर यह बातें आकाशवाणी दूरदर्शन के कार्यक्रमों के संचालक,चर्चित हास्य कवि,लेखक और लोककलाकार ने कही। उन्होंने बताया कि वर्ष भर में अपनी पौराणिक मान्यताओं

को लेकर कई लोकपर्वों के साथ साथ हमारे अतीत के स्वर्णिम इतिहास से जुड़े यही सामाजिक, राष्ट्रीय पर्व हमारे सामाजिक ढांचे को मजबूत करते हुए हमारी अपनी विरासत और पुरखों की परम्परा को सहेजते हैं। इन्हीं पर्वो ने हमारे सामाजिक तानेबाने को तारतार जोड़कर बोध, उत्साह, उल्लास, नवलता,की सर्जना को गतिमान रखा है। रक्षाबंधन पर्व जहां एक ओर भाई –बहन के पवित्र प्रेम के अनूठे बन्धन के रूप में लोकधर्मिता का संवाहक बनकर एक संकल्प और व्रत के साथ हमारे अपने रिश्ते को प्रगाढ़ बनाता है वहीं जीवन के नव उत्कर्ष को एक नये टाटकपन से भी जोड़ता है। वर्तमान बदलते दौर की तमाम विसंगतियों के बीच युवा पीढ़ी की मानसिकता को बहकावे से मोड़कर उनमें एक सभ्य,सांस्कारिक सोच पैदा करने के साथ,ऐसे पर्व और इनका चलन निश्चित ही एक नई सर्जना के साथ हमारे समाज को शिष्टाचार से जोड़ते हैं।

हमें चाहिए कि अपने ऐसे लोकपर्वों के गुरुत्व से जुड़,बिना किसी औपचारिकता, लोभ,मोह,छोभ से दूर इसके महत्व और मान्यताओं को जी भर जिएं। क्यूंकि यही हमारे लोककथाओं में वर्णित महापुरुषों की प्रेरणादायक परिपाटी हैं,लोकजीवन की पूंजी हैं,अतीत की विरासत और अपनी सामाजिक मान्यताओं से सृजित हमारे पुरखों की थाती हैं।

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में 350 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भय हरण नाथ धाम में आयुर्वेद विभाग द्वारा विशेष आयुर्वेद एवं योग शिविर का आयोजन 20 अगस्त मंगलवार को किया गया।शिविर का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ हुआ।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा त्रिभुवन राम के निर्देशन में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 350 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाएं वितरित की गयी। शिविर में प्रभारी चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय छितपालगढ़ डा

अवनीश पाण्डेय, प्रभारी चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय जेठवारा डा दुर्गेश कुमार शुक्ल एवं आरोग्य भारती प्रतापगढ़ इकाई के सचिव डा भरत नायक द्वारा जोड़ों के दर्द, मधुमेह,हृदय विकार, त्वचा रोग, पेट एवं मूत्र सम्बन्धी रोगों का परीक्षण किया गया।

चिकित्सकों द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवनशैली, उचित खान पान एवं योग प्राणायाम की सलाह दी गयी।

योग प्रशिक्षक मृत्युंजय यादव द्वारा विभिन्न रोगों में लाभकारी योग आसनों का अभ्यास कराया गया। चिकित्सकों द्वारा मंदिर परिसर में रुद्राक्ष का पौधा लगाया गया।

इस अवसर पर भयहरणनाथ क्षेत्रीय विकास संस्था के महासचिव समाज शेखर, मुख्य पुजारी भोलानाथ तिवारी, नीरज मिश्रा, राजकुमार, धर्मेन्द्र पटेल, फार्मासिस्ट जवाहिर प्रसाद,सतीश कुमार सिंह, रामचंद्र मौर्य उपस्थित रहे।

मनरेगा लोकपाल समाज शेखर ने फिर किया खुईलन झील का किया स्थलीय निरीक्षण

लक्ष्मण पुर ब्लाक के सराय दासू के फार्म पांड के कार्य को सराहा

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण ने मांधाता ब्लाक के नेवारी ग्राम स्थित अति प्राचीन खुई लन झील का दुबारा निरीक्षण किया। बरसात के बाद झील व मनरेगा द्वारा खुदे तालाबों, पौधरोपण, मार्ग, बांध आदि का पुनरावलोकन किया। तालाबों में व्यापक जल संरक्षण हो रहा है परंतु इनलेट व आउट लेट न बनने के कारण बाहरी जल तालाबों में न जाकर नाले से बह जा रहा है। यथासंभव यथाशीघ्र अधूरे कार्य पूरे करने हेतु सचिव ओम प्रकाश को आवश्यक निर्देश दिया। सचिव ने बरसात बाद जल्द कार्य पूर्ण कराने का संकल्प लिया। वहीं लक्ष्मणपुर ब्लाक के सराय दासू के फार्म पांड का स्थलीय अवलोकन व निरीक्षण किया। कार्य की गुणवत्ता की सराहना करते हुए उद्देश्य पूर्ण कार्य करने हेतु प्रशंसा की।

शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग। शहर समता विचार मंच शिलांग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी डॉ अनिता पंडा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि शशिबिंदु नारायण मिश्र, गोरखपुर से और अति विशिष्ट अतिथि नवीन कुमार राणा, गुरुग्राम से जुड़े।

यह काव्य गोष्ठी 15 अगस्त, शाम 7 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक चली। जिसका शुभारंभ इकाई की अध्यक्षता कर रही अनिता पंडा की गणेश वंदना और मल्लिका डे की सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति के साथ की गई। काव्यगोष्ठी का कुशल संचालन नीता शर्मा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, दया शर्मा, नीता शर्मा, मल्लिका दे विष्णु, सुनीता भट्ट ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। अतिथियों ने भी अपनी सुंदर रचनाओं द्वारा सबका मन मोह लिया। मुख्यातिथि शशिबिंदु नारायण ने सभी कवयित्रियों की रचनाओं की समीक्षा कर सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में मल्लिका दे विष्णु ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

संस्कार भारती प्रयागराज द्वारा वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर के 300वें जन्म शताब्दी पर सावन-उत्सव का आयोजन

प्रयागराज।संस्कार भारती प्रयागराज महानगर इकाई के तत्वाधान में वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर के 300वें जन्म–शताब्दी वर्ष के अवसर पर सावन–उत्सव का कार्यक्रम "आओ रे बदरा मोरे अंगना" का आयोजन इकाई की मंत्री एवं कार्यक्रम की

संयोजिका रंजना त्रिपाठी के दारागंज स्थित आवास पर किया गया।कार्यक्रम के पूर्व में लोक–संगीत गुरू उदयचन्द परदेसी का माल्यार्पण एवं अंग–वस्त्र से सम्मान किया गया तथा उपस्थित पुरुषों को राखी बांधकर तिलक किया गया।गणेश वंदना "पहले मैं तुमको मनाऊँ गौरी के लाला", के बाद "नन्हीं–नन्हीं बुंदिया रे सावन का मेरा झूलना" "रिमझिम बरसे रे बदरिया,गुइंया गावे रे कजरी आदि अनेक सावन गीत–कजरी गायी गयी।गायन में रंजना त्रिपाठी,प्रतिभा मिश्रा,मोहनी श्रीवास्तव,कमला रानी,रुवीकांत ने अपने स्वर दिये।हारमोनियम पर गुरू उदय चन्द जी तथा ढोलक पर अजीत साहू ने संगत की। कार्यक्रम में संस्कार भारती के अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार मिश्र,उपाध्यक्ष प्रेमलता मिश्रा,कोषाध्यक्ष शम्भूनाथ श्रीवास्तव,चित्रकला संयोजक कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा,लोकगायिका प्रतिभा त्रिपाठी,रेखा तिवारी,राजकुमारी कुशवाहा,धर्मेन्द्र कुमार,अभिषेक श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।अखिलेश त्रिपाठी ने सभी का स्वागत तथा आभार प्रकट किया।

इलाहाबाद जोन क्रिएटिव राइटिंग कंपटीशन में बिशप जानसन स्कूल के मुदस्सिर जमाल ने शहर का मान बढ़ाया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में प्रतिभाओं का जबरदस्त भंडार है यहां के लोगों ने देश ही नहीं विदेश में भी समय समय पर अपने शहर का मान बढ़ाया है यह सिलसिला नई पीढ़ियो ने भी जारी रखा है। 17 अगस्त को सिविल लाइन स्थित रामानुजन स्कूल में "बैंक" बोर्ड के छात्रों का इलाहाबाद जोन क्रिएटिव राइटिंग कंपटीशन हुआ जिसमें

अलग–अलग स्कूलों के प्रतिभा वान छात्रों ने हिस्सा लिया कंपटीशन को तीन वर्गों में बांटा गया था सब जूनियर,जूनियर व सीनियर कैटेगरी। जिसमें सब जूनियर कैटेगिरी में सेंट जोसेफ कॉलेज के अदवित राजाराम जूनियर कैटेगरी में आईपीएम स्कूल के अनुष्का सेन गुप्ता ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं सीनियर कैटिगरी में बिशप जॉनसन स्कूल के मुदस्सिर जमाल ने कड़ी प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान हासिल कर न केवल स्कूल का प्रधानाचार्य का बल्कि अपने जिले प्रयागराज का नाम रोशन किया है छात्रों के इस सफलता पर अभिभावकों व अध्यापकों तथा प्रिंसिपलों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी और सभी छात्रों की उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अंतस की वाणी

आज तेरी,कल मेरी,
आनी सबकी है बारी।
मिथ्या जीवन के लिए,
करते क्यों मारा–मारी।

भ्रम की है मायानगरी ,
छल,कपट बने साथी।
रिश्ते नाते छोड़ देते,
स्वार्थ में नर नारी।

मूढ़ मनुज पापी बने,
अधर्मी करे है मनमानी।
षड्यंत्र की बिसात पर,
नाचे है दुनिया सारी।

कलयुग की सभा में,
मिटती,लुटती है नारी।
मूक हुए ज्ञानी देखें,
अधर्म की बाढ़ भारी।

सत्कर्म से नाता जोड़ें,
मृत्यु बाद वही जाई।
समय रहते जाग जाएं
रेनू अंतस की वाणी।

रेनू मिश्रा दीपशिखा
प्रयागराज उत्तर प्रदेश

सम्पादकीय.......

नारी उत्थान से ही राष्ट्र की उन्नति

भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि श्मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगाश। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन–पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ–साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ–साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की

इतिहास के उन ओझल पन्नों की याद

उमेश चतुर्वेदी

यूरोप में हिटल को नाजी बताकर ब्रिटिश सेनाएं उसके विरोध में युद्धरत थीं। तब जर्मन शासक हिटलर यूरोप की नजर में असभ्य था। हिटलर को असभ्य और अमानवीय बताने वाली ब्रिटिश सरकार भारत में उन्हीं दिनों हिटलर जैसा ही कहर ढा रही थी।

अगस्त का महीना हमारी आजादी के इतिहास को ही समेटे नहीं है, बल्कि इस महीने के साथ कई क्रांतियों का गौरवमयी इतिहास भी समाहित है। तारीख में उन घटनाओं को तवज्जो तो मिली है, लेकिन भावी इतिहास के संदर्भ में उनके असर को अहमियत नहीं दी गई है। बलिया, तामलुक और सतारा की क्रांतियों और वहां स्वाधीन भारत से पहले ही सुराजी या स्थानीय सरकार की स्थापनाओं ने भावी इतिहास पर कितना असर डाला, इस नजरिए से उन्हें नहीं देखा–समझा गया। नौ अगस्त 1942 की सुबह मुंबई में कांग्रेस के पूरे शीर्ष नेतृत्व को गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए आ रहे वालंटियर और कार्यकर्ताओं को या तो रास्तों के स्टेशनों पर ही उतार दिया गया या फिर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके पहले की रात को कांग्रेस 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव स्वीकार कर चुकी थी। संदर्भ के लिए बता दें कि 'भारत छोड़ो' का नारा कांग्रेस में सक्रिय समाजवादी धड़े के युवा नेता युसूफ मेहर अली ने दिया था। चूंकि आज की तरह उन दिनों संचार के माध्यम नहीं थे, लिहाजा गांधी, नेहरू, पटेल समेत तमाम कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व की गिरफ्तारी की खबरें देर से देश के सुदूरवर्ती इलाकों में पहुंचीं। जैसे–जैसे ये जानकारी पहुंची, इलाकों में अंग्रेज सरकार के खिलाफ बढ़ता चला गया। यूरोपीय देशों की सभ्यता की इतिहासकार जब भी चर्चा करते हैं, ब्रिटिश और फ्रेंच समाज को सबसे ज्यादा सुसंस्कृत माना जाता है। लेकिन ब्रिटिश समाज कितना सभ्य था, इसे भारत में किए उसके दमन से समझा जा सकता है। दिलचस्प यह है कि बयालिस की क्रांति के दौरान ही दूसरा विश्व युद्ध जारी था। यूरोप में हिटल को नाजी बताकर ब्रिटिश सेनाएं उसके विरोध में युद्धरत थीं। तब जर्मन शासक हिटलर यूरोप की नजर में असभ्य था। हिटलर को असभ्य और अमानवीय बताने वाली ब्रिटिश सरकार भारत में उन्हीं दिनों

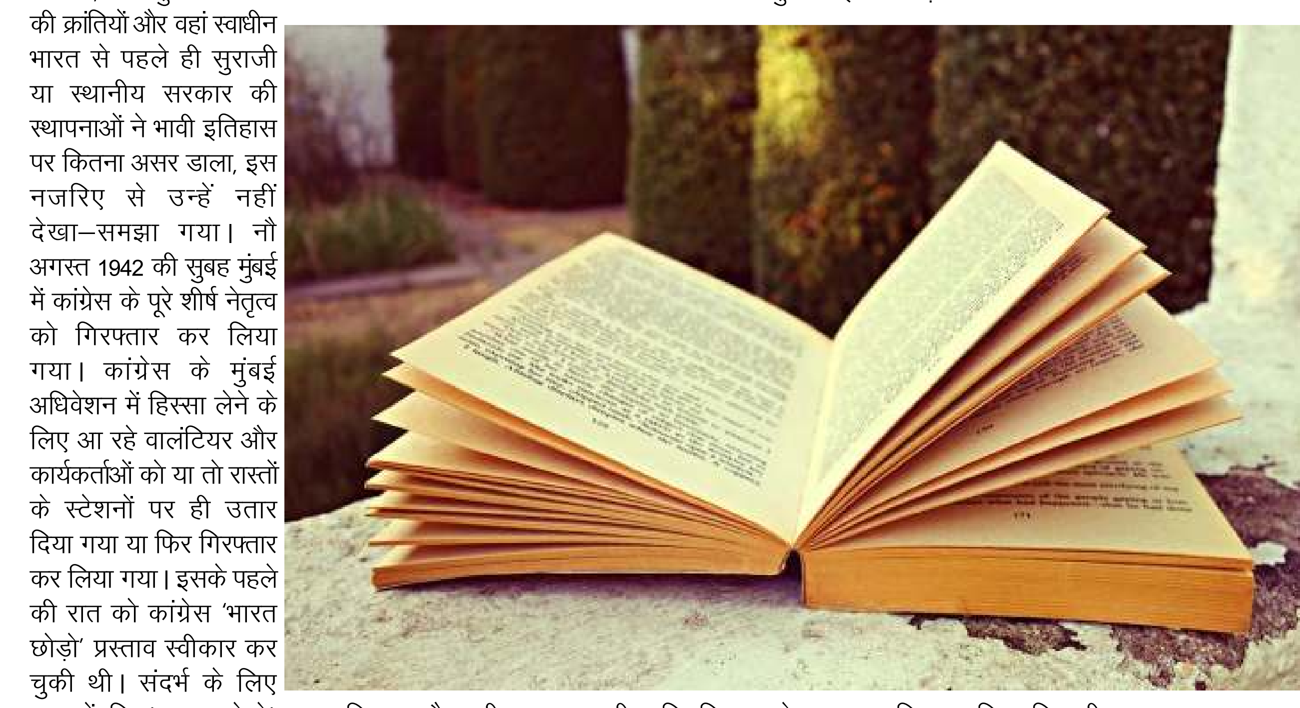

हिटलर जैसा ही कहर ढा रही थी। इतिहास में बयालिस की क्रांति और अंग्रेजों के दमन को इस नजरिए से भी कभी व्याख्यायित नहीं किया गया। बयालिस के आंदोलन के दौरान अंग्रेजों का दमनचक्र हर उस इलाके में पूरी क्रूरता के साथ चला, जहां के लोगों ने सुराज के लिए आवाज बुलंद की। बलिया को कुछ ज्यादा ही दमनचक्र से गुजरना पड़ा। इसकी वजह यह रही कि बलिया ने खुद को आजाद घोषित कर दिया। 18 अगस्त को बैरिया, रसड़ा, सुखपुरा आदि जगहों पर हुई अंधाधुंध गोलीबारी और उसमें नौजवानों और छात्रों के बलिदान से बलिया का खून खौल उठा। तकरीबन करीब दस लाख की आबादी सड़कों पर उतर आई। रेलवे लाइनें उखाड़ डाली गईं, थाने और तहसील लूट लिए गए। दिलचस्प यह है कि तब बलिया के कलेक्टर कोई अंग्रेज नहीं, भारतीय जगदीश्वर चंद्र निगम थे। लोगों का गुस्सा इतना बढ़ा कि निगम को हारकर बलिया जेल में बंद कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चित्तू पांडेय को छोड़ना पड़ा। 19 अगस्त के दिन बलिया ने खुद को आजाद घोषित कर दिया और चित्तू पांडेय उस सरकार के मुखिया बने, जबकि क्रांतिकारी महानंद मिश्र पुलिस प्रमुख। इस आजादी के बाद जिस व्यवस्था ने पांच–छह दिनों तक व्यवस्था चलाई, उसे 'सुराजी सरकार' नाम दिया गया था। बलिया के साथ मिदिनापुर के तामलुक और महाराष्ट्र के सतारा में भी ऐसी ही देसी सरकारें बनीं। तीनों जगह पांच से लेकर हफ्तेभर में अंग्रेजी हुकूमत ने कब्जा कर लिया और उसके बाद जो दमन चक्र चला, सिहरन के साथ उसे याद करने वाली पीढ़ी भी अपनी उम्र पूरी करके दुनिया को विदा कह चुकी है। इसके बावजूद वह दमन बलिया के लोगों के रगों में आज भी दौड़ रहा है। ब्रिटिश 23 अगस्त की रात में संयुक्त प्रांत के ब्रिटिश गवर्नर हैलेट ने बनारस के कमिश्नर नेदर सोल को बलिया का प्रभारी जिलाधिकारी बना कर बलूच फौज के साथ भेजा..इसी दिन दोपहर में बक्सर की ओर से जलमार्ग से मार्क स्मिथ और 24 अगस्त की सुबह आजमगढ की ओर से कैप्टन मूर के नेतृत्व में ब्रिटिश फौज बलिया पहुंची और फिर वह बलिया में हिटलर की नाजी सेना बन गई। दमन के आगे निहत्थी जनता कितने दिन तक टिकती। बलिया का सत्ताहस्तांतरण खारिज करके उस पर ब्रिटेन का कब्जा कर लिया गया। हैलट ने ब्रिटिश भारत के सचिव को अगस्त 42 के आखिर में बलिया पर कब्जे का टेलीग्राम भेजा और बीबीसी ने इस पर खबर प्रसारित की। बलिया की आजादी और हिंसा को लेकर सवाल भी उठाए गए। जाहिर है कि सवाल उठाने वाले ब्रिटिश सभ्यता पोषक ही थे। लेकिन अहिंसा के पुजारी गांधी ने उन सवालों को खारिज कर दिया था। उन्होंने बलिया की घटनाओं के लिए ब्रिटिश सरकार के दमन और अत्याचार को ही जिम्मेदार बताया था। अहमदनगर जेल से छूटते ही बलिया को लेकर जवाहर लाल नेहरू ने जो कहा था, वह भी अहम है। उन्होंने कहा था कि उस हालात में वे भी ऐसा ही करते, जैसा बलिया वालों ने किया। इस घटना के दो दशक पहले असहयोग आंदोलन के दौरान भी बलिया पर ब्रिटिश सरकार के अत्याचार झेलने पड़े थे। गांधी जी को इसकी रिपोर्ट उनके सबसे छोटे बेटे देवदास गांधी ने भेजी थी, जिसके आधार पर गुजराती नवजीवन में गांधी जी ने बलिया पर लेख लिखा था। पूरी दुनिया बलिया को अक्खड़ बताती है, लेकिन इस लेख में गांधी जी बलिया वालों को सज्जन बताते हैं। 1925 में बलिया पहुंचे जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि वे बलिया की सरजमीं को चूम लेना चाहते हैं। इतिहास को बदलने में इन घटनाओं की अहम भूमिका रही है। इनके चलते आंदोलनकारी इलाकों ने इतिहास ही नहीं, बाद के दौर में भी कीमत चुकाई है। यह कीमत कभी पिछड़ापन के रूप में दिखती है तो कभी मूल्यांकन की कमी के रूप में। इतिहास की खासियत है कि वह नए संदर्भों में फिर से नए सिरे से उठ खड़ा होता है। यह इतिहास उठ रहा है और अपना हक मांग रहा है।

धर्म और आध्यात्मिक ज्ञान का सरोवर है : श्रावणी पूर्णिमा

डॉ0 प्रदीप चितांशी

बगीचे में तरह–तरह के वृक्ष और उन वृक्षों पर मौसमानुसार फल और फूल जिस तरह से लोक कल्याण हेतु कार्य करते हुए,संसार के प्रत्येक प्राणी के हृदय में नव उत्साह भरते हैं, ठीक उसी तरह से धार्मिक त्योहार भारतीय संस्कृति का हिस्सा बन हमारे सामाजिक जीवन को संरक्षित कर हमें हमारे समाज की पृष्ठभूमि से जोड़ते हैं जो विशेष घटनाओं के अनुष्ठानिक उत्सव के लिए निर्धारित किये जाते हैं। ये आयोजन प्रकृति में धार्मिक, मौसमी या कृषि चक्र पर आधारित हो सकते हैं। विभिन्न रंगों में रँगी श्रावणी पूर्णिमा पर आध्यात्म, धर्म और सामाजिकता की ऐसी त्रिवेणी बहती है जो पूर्णिमा की संकल्पना को केवल साकार ही नहीं करती बल्कि संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बाँधती भी है। धर्म भारतीय संस्कृति की प्रमुख संकल्पना है तथा आध्यात्मिक ज्ञान ,मात्र ईश्वर से जुड़ने की प्रक्रिया नहीं अपितु अंतर्मन के साथ गहरे संबंध और मानवता में गहरी आस्था तथा जीवन में विकास की तलाश है। श्रावण महीने की रिमझिम फुहार एवं हरियाली ,मन की निराशा को दूरकर , उत्साह और हर्षोल्लास का बीज बोती है। यही बीज अंकुरित होकर माह की पूर्णिमा को त्योहार के रंग में रँग देती है। बेहद उल्लासपूर्ण तरीके से मनाए जाने वाला त्योहार पूरे भारत में अलग–अलग रूपों में मनाया जाता है। दक्षिण भारत में नारियल पूर्णिमा और अवनि अवित्तम, मध्य भारत में कजरी , भारत के पश्चिम में नारली पूर्णिमा तथा उत्तर भारत में रक्षाबंधन के रूप में मनाया जाता है।

यह सत्य है कि भारतीय संस्कृति वर्तमान समय में भौतिकता की छाँव में ठाँव पाने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है लेकिन प्राचीन मान्यताओं को भी बड़ी सहजता से संजोए हुए, अपने मूल तत्व से काफी जुड़ा हुआ है। उत्तर भारत में पौराणिक कथा के अनुसार सतयुग में माँ लक्ष्मी ने राजा बलि को रक्षासूत्र बाँधकर रक्षाबंधन की परम्परा का शुभारंभ किया था। रक्षा बंधन का शाब्दिक अर्थ है– सुरक्षा का बन्धन और परम्परा के अनुसार बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर, भाई की कलाई पर राखी बाँधती है तत्पश्चात उसे मिठाई खिलाती है। यहाँ पर तिलक, राखी एवं मिठाई का गूढ़ अर्थ है।बहन द्वारा भाई को तिलक लगाना शशरीर–चेतनाष और बुराइयों पर विजय पाने का प्रतीक है।राखी पवित्रता की शपथ का प्रतीक एवं मिठाई रिश्ते में मिठास का प्रतीक है। इसी पर्व पर ब्राह्मण के द्वारा जजमान के हाथ में बाँधे जाने वाला वैदिक एवं पौराणिक मंत्रो से अभिमंत्रित कलावा मात्र तीन धागों का समूह नहीं है अपितु इसमें आत्मरक्षा, धर्मरक्षा और राष्ट्रभक्ति के तीनों सूत्र संकल्पबद्ध हैं।

दक्षिण भारत में श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला त्योहार श अवनि अवित्तम श आध्यात्मिक विकास के नवीनीकरण का प्रतीक है क्योंकि इस दिन से यजुर्वेदी ब्राह्मण अगले छरू महीने तक यजुर्वेद पढ़ने की शुरुआत करते हैं। अवनि अवित्तम को श उपक्रम के भी नाम से जाना जाता जो ब्राह्मण समुदाय में पवित्र धागा पहनने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। शअवनिश का अर्थ शमिल महीना और शअवित्तम श 27 नक्षत्रों में से एक है। अवनि अवित्तम को शजनेयु पूर्णिमाश या श जध्यालाश नाम से भी जाना जाता है। अवनि अवित्तम वैदिक अध्ययन विशेष रूप से यजुर्वेद के अध्ययन की शुरुआत का प्रतीक है,जो अगले छरू महीने तक निरन्तर चलता रहता है। समर्पित अध्ययन और पाठ की यह अवधि ब्राह्मण विद्वानों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनके आध्यात्मिक अनुशासन और प्राचीन ज्ञान को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान करती है। भारतीय मिथको के अनुसार इसी दिन भगवान विष्णु ने ज्ञान के देवता हयाग्रीव के रूप में अवतार लिया था।

पौराणिक कथा के अनुसार सृष्टिकर्ता भगवान ब्रह्मा को वेदों के अपने विशाल ज्ञान पर गर्व हो गया था। उन्हें विनम्रता सिखाने के लिए भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लिया,जो घोड़े के सिर वाले देवता थे। उन्होंने मधु और कैटभ नामक राक्षसों द्वारा वेदों की चोरी की योजना बनाई। वेदों की चोरी हो जाने से ब्रह्मा जी व्याकुल हो गए। ब्रह्मा की विनती पर विष्णु जी ने हयाग्रीव का रूप धारण करके, राक्षसों को मारकर, पवित्र ग्रन्थ को प्राप्त कर, उसे ब्रह्मा को लौटा दिया। इस तरह से खोए हुए ज्ञान को पुनरू स्थापित कर ब्रह्मा जी को अभिमान मुक्त कर दिया। यह पौराणिक कथा विनम्रता, ज्ञान और पवित्र ग्रन्थों के संरक्षण में दैवीय हस्तक्षेप के मूल्यों को रेखांकित करती है।

पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में श्रावण पूर्णिमा के दिन को नारली पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है।इस दिन समुद्र के देवता वरुण के प्रति सम्मान के प्रतीक के रूप में एक नारियल (गुजराती में नरियाल,मराठी में नारल) की पेशकश समुद्र में की जाती है। महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में यानी कोंकण में मानसून के बाद इसे शान्त करने के लिए समुद्र में नारियल चढ़ाया जाता है।नारली पूर्णिमा मछली पकड़ने के मौसम की शुरुआत है, जो मछुआरे की जीविका के लिए समुद्र पर निर्भर है ।

मध्य भारत में कजरी के नाम से तो उड़ीसा में गम्हा पूर्णिमा के नाम से तथा वृन्दावन, मथुरा में झूलन पूर्णिमा, राधा–कृष्ण के शाश्वत प्रेम के रूप में जानी जाती है। इसके अलावा यह पूर्णिमा अन्य कई नामों से भी जानी जाती है। इसी तिथि पर भगवान श्रीकृष्ण जी के बड़े भाई बलराम जी का जन्मोत्सव भी मनाते हैं इसीलिए नाना प्रकार के पंथी के रंग में रँगी श्रावणी पूर्णिमा धर्म और आध्यात्मिक ज्ञान का सरोवर है।

रेशमी डोर से बंधा बहनो का भाइयों पर अटूट विश्वास

रक्षाबंधन केवल बहनों द्वारा रेशमी धागों को भाइयों की कलाई में बांधने का त्यौहार ही नहीं है बल्कि देश के हर नौजवान से देश की सुरक्षा एवं राष्ट्र में निवासरत हर बहन के लिए रक्षा का वचन का त्यौहार भी है। बहन और भाइयों का यह पवित्र त्यौहार सावन की पूर्णिमा पर श्रद्धा सादगी और पवित्रता के साथ मनाया जाता है। जिस बहन ने भाई की कलाई में यह रक्षा सूत्र बांधा है भाई का यह कर्तव्य बन जाता है कि वह आजीवन अपनी बहनों की हर तरह से सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहे। प्राचीन काल में यज्ञ तथा अनेक धार्मिक अनुष्ठानों को करते समय इस में सम्मिलित होने वाले लोगों की कलाइयों पर मंत्रों से सुभाषित सूत्र बांधा जाता था। यह परंपरा आज भी यथावत जारी रखी गई है सूत्र को यज्ञ शक्ति का प्रतीक समझकर यज्ञ स्थल पर सूत्र धारण करने वाले व्यक्ति की हर आपदा एवं उपद्रवों से रक्षा हेतु यह सूत्र कटिबद्ध माना गया है ।कालांतर में इसी रक्षा सूत्र का नाम रक्षाबंधन पड़ गया है। रक्षाबंधन के साथ यह विश्वास तथा धारणा बलवती हो जाती है कि जिस भाई को बहना ने रेशमी धागे से रक्षा सूत्र के द्वारा रक्षाबंधन किया गया है उस भाई की नैतिक तथा सामाजिक तौर पर धार्मिक जिम्मेदारी बनती है कि वह अपनी बहनों की हर तरह से सुरक्षा करें इसके अलावा देश की सीमा की भी रक्षा करें इसमें उसकी बहन निवासरत है। इस तरह देश और बहनों की रक्षा का यह पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन के रूप में संपूर्ण राष्ट्र में एवं विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा हर वर्ष मनाया जाता है। पौराणिक और धार्मिक स्वरूप भी है इसकी पुराण में एक कथा है भगवान विष्णु वामन का रूप लेकर दानवों के राजा बलि का सर्वस्व छीन लेते हैं। इसके पश्चात भी विष्णु भगवान राजा बलि को धर्मपरायण न होते देख प्रसन्न होकर उसे पाताल लोक प्रदान करते हैं एवं उस पाताल लोक में स्वयं द्वारपाल बन जाते हैं। इन परिस्थितियों में विष्णु भगवान की पत्नी माता लक्ष्मी उन्हें ना पाकर अत्यंत चिंतित हैं विचलित हो जाती है भगवान नारद जी लक्ष्मी जी की चिंता का निवारण करते हुए बताते हैं कि विष्णु जी पाताल लोक में द्वारपाल बने हुए हैं, ऐसे में लक्ष्मी जी पाताल लोक के स्वामी बली को रक्षा सूत्र बांधकर वचन के रूप में अपने पति देव विष्णु जी को मांगती है राजा बलि रक्षाबंधन के पवित्र धागों से बंध कर भगवान विष्णु को द्वारपाल के पद से मुक्त कर देते हैं और इन परिस्थितियों में रक्षाबंधन का महत्व पूर्ण कथाओं में श्रेष्ठ बंधन के रूप में माना जाने लगा है। वैसे तो इस पवित्र धागे की रक्षा के अनेक ऐतिहासिक प्रमाण भी दिए गए हैं तब से रक्षाबंधन का यह पवित्र भाव और बहन द्वारा राखी बांधने की परंपरा जोर शोर से प्रचलित हुई है। राजनीति में भी स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता के बाद रक्षाबंधन के बदले बहनों ने भाइयों से सामाजिक सुरक्षा एवं देश की रक्षा के वचनों को मांगा है एवं भारत की स्वतंत्रता प्राप्त की है। रक्षाबंधन में बहने रक्षा सूत्र बांधकर भाइयों मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देती है और प्रत्युत्तर में भाई उनकी मांगी हुई मुराद पूरी करते है। आज हर त्यौहार का व्यवसायीकरण हो गया है। बहने अपने धनिक भाइयों से कीमती वस्तुएं मांग लेती और भाई अपनी क्षमता के अनुसार उनकी मांग पूरी भी कर देते हैं। रक्षाबंधन पवित्रता का त्यौहार है, यह मानवीय भाव का बंधन है। यह प्रेम त्याग और कर्तव्य का बंधन भी है इस बंधन में एक बार बंध जाने के बाद इसे विस्मित किया जाना अत्यंत कठिन होता है। इंन रेशमी धागों में इतनी शक्ति होती है कि भाई बहनों और देश की रक्षा के लिए अपनी जान पर भी खेल जाते हैं। रक्षाबंधन के पर्व हमें संदेश देता है की स्त्री समाज की मुख्य अंग है और स्त्री जिस धरा, जिस भूमि पर, जिस देश में निवास करती है उस देश की भूमि की रक्षा तथा बहनों के प्रेम और सम्मान की सुरक्षा करना भाइयों का प्रथम कर्तव्य हो जाता है अतः सभी भाई बहनों को रक्षाबंधन की किस पवित्र त्यौहार की अनंत बधाइयां एवं शुभकामनाएं।

शब्दों के जादूगर गुलजार, एक मैकेनिक जो बन गया महान गीतकार...

"कई मीडिया रिपोर्ट्स में गुलजार के मुंबई में आने और संघर्षों का जिक्र है। कहा तो यहां तक जाता है कि मुंबई आने के बाद गुलजार ने गैराज में काम करना शुरू किया। खाली समय में कविताएं लिखने में जुट जाते थे। उनके फिल्मी करियर की शुरुआत १९६१ में विमल रॉय के असिस्टेंट के रूप में हुई।"

दांत से रेशमी डोर कटती नहीं, दिल तो बच्चा है जी.. 90 साल की उम्र में भी ऐसी लाइन लिखने वाले गुलजार ही हो सकते हैं। जिनके हर गाने में रूमानी अहसास होता है। गुलजार को शब्दों का जादूगर भी कहा जाता है, जिनके लिखे गाने होठों के रास्ते न जाने कब दिल की गहराइयों में उतर जाते हैं, पता ही नहीं चल सकता। 18 अगस्त 1934 को पंजाब (अब पाकिस्तान) में झेलम जिले के दीना गांव में पैदा हुए गुलजार ने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें किस्मत बंबई (अब मुंबई) लेकर आएगी। लेकिन, किस्मत का कनेक्शन ऐसा रहा कि उन्होंने बॉलीवुड में बड़ा नाम कमाया। हॉलीवुड तक उनकी कलम की गूंज सुनाई देती है। सफर में कई पड़ाव आए लेकिन जो हासिल किया वो लाजवाब रहा। तो आइए झांकते हैं संपूरण सिंह कालरा से गुलजार बनने वाले की जिंदगी में! मशहूर कवि, लेखक, गीतकार और स्क्रीन राइटर गुलजार किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। 1947 में बंटवारे के बाद गुलजार का परिवार भारत आ गया। परिवार ने अमृतसर में आशियाना बनाया। उनके पिता का नाम माखन सिंह कालरा और मां का नाम सुजान कौर था। जब गुलजार छोटे थे तभी उनकी मां दुनिया से रुखसत हो गईं। उनके हिस्से में पिता का प्यार भी नहीं आया। बचपन से लिखने–पढ़ने का शौक था तो संपूरण सिंह ने अपने खालीपन को शब्दों से भरना शुरू कर दिया। एक वक्त आया, जब गुलजार ने सपनों की नगरी मुंबई का रुख किया और यहीं के होकर रह गए। कई मीडिया रिपोर्ट्स में गुलजार के मुंबई में आने और संघर्षों का जिक्र है। कहा तो यहां तक जाता है कि मुंबई आने के बाद गुलजार ने गैराज में काम करना शुरू किया। खाली समय में कविताएं लिखने में जुट जाते थे। उनके फिल्मी करियर की शुरुआत 1961 में विमल रॉय के असिस्टेंट के रूप में हुई। गुलजार ने ऋषिकेश मुखर्जी और हेमंत कुमार के साथ भी काम किया था। इसी बीच उन्हें बंदिनी फिल्म में गीत (लिरिक्स) लिखने का मौका मिला। इसके बाद गुलजार ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। संपूरण सिंह कालरा के गुलजार बनने की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले संपूरण सिंह कालरा ने अपना नाम श्गुलजार दीनवी कर लिया था। उनका परिवार दीना गांव (अब पाकिस्तान) से था। उन्होंने अपने नए नाम गुलजार में दीनवी भी जोड़ लिया। वक्त गुजरा तो उन्होंने अपने नाम से दीनवी को विदाई दे दी और सिर्फ गुलजार होकर रह गए। गुलजार का मतलब होता है, जहां गुलाबों या फूलों (गुलों) का बगीचा हो। हकीकत में गुलजार ने अपने नाम के मतलब के लिहाज से हर गीत लिखे, जिसमें शब्दों की बेइंतहा खुशबू शामिल रहती है। डायरेक्टर बिमल रॉय के साथ काम करने के दौरान ही गुलजार की मुलाकात आरडी बर्मन से हुई। गुलजार ने गीत लिखने के साथ फिल्मों का डायरेक्शन भी किया। उन्होंने आंधी, किरदार, मौसम, नमकीन, लिबास, हूतूतू जैसी फिल्मों का निर्देशन किया। छोटे पर्दे के लिए भी मिर्जा गालिब जैसे सीरियल का डायरेक्शन किया। गुलजार की माचिस फिल्म ने दुनिया को दिखा दिया कि उन्हें शब्दों का जादूगर ऐसे ही नहीं कहा जाता! गुलजार को फिल्म फेयर, साहित्य अकादमी, पद्म भूषण, ग्रैमी, दादा साहब फाल्के से लेकर ऑस्कर अवॉर्ड तक मिल चुके हैं। गुलजार ने अपने करियर में कई गाने लिखे। जिनमें तुझसे नाराज नहीं जिंदगी, तेरे बिना जिंदगी से कोई शिकवा तो नहीं, आने वाला पल जाने वाला है, मुसाफिर हूं यारो, हजार राहें, मेरा कुछ सामान, साथिया, जय हो, कजरारे–कजरारे जैसे कई गाने शुमार हैं। गुलजार की पर्सनल लाइफ सफल नहीं मानी जा सकती है। उन्होंने 1973 में एक्ट्रेस राखी से शादी की। लेकिन, दोनों का रिश्ता एक साल के भीतर टूट गया। दोनों अलग–अलग रहने लगे। लेकिन, आज तक एक–दूसरे को तलाक नहीं दिया। दोनों की एक बेटी है, जिनका नाम है मेघना गुलजार। मेघना अपने माता–पिता की तरह बॉलीवुड में बड़ा नाम हैं। मेघना डायरेक्टर हैं, जिनकी फिल्में खूब तारीफ बटोरती हैं। गुलजार इन्हें प्यार से बोस्की पुकारते हैं। गुलजार आज भी लिख रहे हैं। गीत, कविता, शेरो–शायरी, हर फन में गुलजार के शब्दों का सफर जारी है। जैसे गुलजार कहना चाहते हैं, श्तुझसे नाराज नहीं जिंदगी, हैरान हूं मैं, तेरे मासूम सवालों से परेशान हूं मैं।

कपिल शर्मा ने श्री श्री रविशंकर के आश्रम में किया आध्यात्मिक प्रवास, शेयर किये वीडियो

फिल्म क्रू में स्पेशल अपीयरेंस में दिखे कॉमेडियन एक्टर कपिल शर्मा ने बेंगलुरु में श्री श्री रविशंकर से मुलाकात की। कपिल के साथ उनके साथी अभिनेता और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर भी थे, जिनके साथ वह स्ट्रीमिंग कॉमेडी स्पेशल श्द ग्रेट इंडियन कपिल शोश में काम कर रहे हैं। कपिल ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में आश्रम की अपनी यात्रा के दो क्लिप साझा किये। यूट्यूब पर एक वीडियो में कपिल को मंच पर आध्यात्मिक गुरु के साथ बातचीत करते दिखाया गया है। उन्होंने अपने चुटकुलों से दर्शकों का मनोरंजन भी किया। उन्होंने श्री श्री रविशंकर के अनुयायियों से भी पूछा कि क्या वे उन्हें श्द ग्रेट इंडियन कपिल शो में अगला गेस्ट बनाना चाहते हैं। कपिल ने अपने और सुनील के बीच की लड़ाई का भी संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा लगा जैसे आध्यात्मिक गुरु के अनुयायियों ने गुस्से और लड़ाई के बारे में जो सवाल पूछे थे, वे व्यक्तिगत रूप से कपिल और सुनिल के लिए थे। कपिल शर्मा की 2017 में सुनील ग्रोवर और चंदन प्रभाकर के साथ उस समय लड़ाई हो गई थी, जब वे ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न से वापस आ रहे थे। कथित तौर पर कपिल ने सुनील ग्रोवर को अपशब्द कहे। नतीजतन, सुनील ने द कपिल शर्मा शो में वापस न लौटने का फैसला किया। कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर के कुख्यात झगड़े से पहले, दोनों ने कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो जैसे हिट प्रोजेक्ट्स पर साथ काम किया था। द ग्रेट इंडियन कपिल शो कपिल शर्मा और उनके हास्य कलाकारों की टीम के इर्द–गिर्द घूमता है, जिनमें सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक और राजीव ठाकुर शामिल हैं। शो का प्रारूप काफी हद तक उनके पहले शो के समान है क्योंकि इसे स्ट्रीमिंग माध्यम पर बड़े पैमाने पर दर्शकों के लिए तैयार किया गया है। नाटक का असाधारण सेट देखने में अद्वितीय है, जो एक भव्य हवाई अड्डे के टर्मिनल की पृष्ठभूमि पर आधारित है। अर्चना पूरन सिंह शो की परमानेंट गेस्ट हैं।

श्रद्धा आर्या ने आध्यात्मिक आनंद के बीच मनाया 37वां जन्मदिन

कुंडली भाग्य स्टार श्रद्धा आर्या ने शनिवार को 37वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्होंने भगवान का आशीर्वाद भी लिया। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर अपने जन्मदिन पर आयोजित पूजा की तस्वीरें शेयर कीं और कहा कि वह प्रार्थना करती हैं कि हर महिला का सम्मान, सुरक्षा और देखभाल की जाए। उन्होंने ब्रह्मा कुमारियों की एक तस्वीर भी शेयर की, जो मानते हैं कि सभी आत्माएं स्वभाव से अच्छी हैं और भगवान सभी अच्छाइयों का स्रोत हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन दिया "इस जन्मदिन पर मैं आशा और प्रार्थना करती हूं कि हर महिला को सम्मान, सुरक्षा और देखभाल मिले, ताकि उनका जन्म और अस्तित्व एक सच्चा उत्सव बन सके। हम अभी जहां हैं, उससे बहुत दूर हैं लेकिन फिर भी उम्मीद कर रहे हैं। यह 2006 में था, श्रद्धा ने दक्षिण स्टार नयनतारा के साथ एसजे सूर्या की तमिल फिल्म कलवानिन कधाली में मुख्य भूमिका के रूप में अपनी फिल्म की शुरुआत की। वह हिंदी फिल्म निशब्दष और तेलुगु फिल्म गोडावा में वैभव रेड्डी के साथ नजर आई थीं। उन्होंने मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की, तुम्हारी पाखी और ड्रीम गर्ल जैसे शो में काम किया है। 2017 से, उन्होंने कुंडली भाग्य में डॉ. प्रीता अरोड़ा की भूमिका निभाई है। कुंडली भाग्य, एक रोमांटिक ड्रामा, लोकप्रिय टीवी शो कुमकुम भाग्य की स्पिन–ऑफ श्रृंखला है, इसमें मनित जौरा भी हैं। अभिनेता धीरज धूपर को बाद में 2022 में शक्ति अरोड़ा द्वारा प्रतिस्थापित किया गया। शक्ति आनंद ने बाद में 2023 में शक्ति अरोड़ा का स्थान लिया। शो में वर्तमान में पारस कलनावत, सना सैयद और बसीर अली दूसरी पीढ़ी के मुख्य कलाकार हैं। शनिवार को, उनके सह–कलाकार धीरज धूपर ने अभिनेत्री को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर श्रद्धा के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं और कामना की कि वह बड़ी, बेहतर और मजबूत बनें।

अभिनेता ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो ! कामना करता हूं कि इस वर्ष आप बड़ी, बेहतर और मजबूत बनें।

जिस फिल्म ने सैफ अली खान को बनाया सुपरस्टार, उसी फिल्म से समलान खान ने कटाई नाक, अब चौथा पार्ट बनाने की हिम्मत कर रहे निर्माता

बहुप्रतीक्षित रेस फ्रैंचाइज़ रेस 4 के साथ वापसी करने के लिए तैयार है, जिसमें सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। अपने स्टाइलिश दृश्यों और जटिल कथानक के लिए जानी जाने वाली एक्शन–थ्रिलर सीरीज़ ने पिछले कुछ वर्षों में एक समर्पित प्रशंसक वर्ग हासिल किया है। श्रेसश बॉलीवुड की एक पसंदीदा थ्रिलर फ्रैंचाइज़ थी, लेकिन श्रेस 3श, जिसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में थे, को दर्शकों ने पूरी तरह से नकार दिया। ऐसी खबरें हैं कि निर्माता अब फ्रैंचाइज़ को उसके मूल अंदाज में वापस लाने की योजना बना रहे हैं। अब इस फिल्म में सैफ अली खान को लाया जाएगा। जिन्होंने मूल रूप से श्रेसश की फिल्मों में अभिनय किया था। हालांकि, वे फिल्म को निर्देशित करने के लिए किसी नए निर्देशक की तलाश कर रहे हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि निर्माता रमेश तौरानी ने सैफ से श्रेसश फ्रैंचाइज़ में श्रेस 4श के साथ वापसी करने के बारे में बात की है, जिसका संभावित नाम श्रेस रीबूटश रखा गया है। रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र के हवाले से बताया गया है कि सैफ ने भी इस पर सहमति जता दी है और वे 2025 की पहली तिमाही तक फिल्म शुरू करने की सोच रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया – सैफ अली खान पिछले कुछ समय से रमेश तौरानी के साथ श्रेस 4श पर चर्चा कर रहे हैं और दोनों ने आखिरकार श्रेस 4श के साथ फ्रेंचाइजी को फिर से शुरू करने पर सहमति जताई है। अभिनेता ने सैद्धांतिक रूप से सहमति जता दी है और श्रेसश की दुनिया में फिर से उतरने के लिए उत्साहित हैं। रमेश तौरानी का लक्ष्य 2025 की पहली तिमाही में फिल्म को फ्लोर पर लाना है। कथित तौर पर निर्माता फिल्म की मूल कहानी के साथ तैयार हैं और वर्तमान में पटकथा बनाने पर काम कर रहे हैं। हालांकि अभी तक कोई अन्य नाम तय नहीं हुआ है, लेकिन कास्टिंग चल रही है और जल्द ही इसकी घोषणा की जा सकती है।

'हेयर मेकओवर' से शुरू हुआ टेलीविजन स्टार उर्वशी ढोलकिया का 'वीकेंड'

टेलीविजन स्टार उर्वशी ढोलकिया को कसौटी जिंदगी की में खलनायिका कोमोलिका के किरदार के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने बताया कि उनका यह वीकेंड कैसे शुरू हुआ। उर्वशी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह सैलून में बैठी हैं और अपने बाल बनवा रही हैं। उर्वशी ने कैप्शन में लिखा, वीकेंड शुरू हो गया है और मैंने अपने बालों का मेकओवर शुरू कर दिया है। इस महीने की शुरुआत में, उर्वशी ने 1987 में रिलीज हुए टीवी शो श्रीकांत के साथ अपने पहले बड़े ब्रेक के बारे में कुछ यादें शेयर की। उर्वशी ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जब वह छोटी बच्ची थीं। उन्होंने लिखा कि जब मैं श्रीकांत (1987) शो के साथ टीवी की दुनिया में अपने पहले बड़े ब्रेक के लिए शूटिंग कर रही थी, तब की एक बड़ी तस्वीर। यह तस्वीर मिली, इसलिए सोचा कि इसे आप सभी के साथ शेयर करूं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि यह तस्वीर उस समय एस्सेल स्टूडियो (पता नहीं यह अभी भी मौजूद है या नहीं) में ली गई थी, जो ट्रॉम्बे नामक जगह पर स्थित है। मुझे अपनी मां के साथ वहां पहुंचने में घंटों लग जाते थे। हे भगवान, कैसी यादें हैं। मुझे याद नहीं है कि प्रवीण जी ने मुझे जिस तरह से लाड़–प्यार दिया, वैसा किसी ने कभी किया हो। ये यादें हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। शो श्रीकांत शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1917–1933 के चार खंडों वाले उपन्यास श्रीकांत पर आधारित था। इसमें श्रीकांत नाम के एक व्यक्ति की कहानी दिखाई गई थी, जो राज लक्ष्मी नाम की एक महिला से प्यार करता है, जो प्लेग से पीड़ित होने पर उसकी देखभाल करती है। हालांकि, फिर उसकी मुलाकात अभया से होती है, जिसे उसके पति ने छोड़ दिया है, और वह भी उससे प्यार करने लगता है। बता दें कि उर्वशी को पहला बड़ा ब्रेक शो देख भाई देख और वक्त की रफ्तार में मिला। उन्होंने घर एक मंदिर, कभी सौतन कभी सहेली, कसौटी जिंदगी की और कहीं तो होगा जैसे शो में अपने काम से प्रशंसा हासिल की।

मानसून में जन्नत से कम नहीं लगती हैं ये जगहें, पार्टनर संग करें एक्सप्लोर

मॉनसून शुरू होते ही जहां एक ओर मौसम सुहाना हो जाता है, तो वहीं गर्मी से भी राहत मिलती है। अधिकतर लोग मॉनसून में घूमना पसंद करते हैं और इस मौसम में बाहर निकलकर सुंदर नजारों का लुत्फ उठाना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर आप भी प्राकृतिक सुंदरता को निहारने के शौकीन हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 4 ऐसी खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं। साथ ही मॉनसून में इन जगहों की खूबसूरती देखने लायक होती है।

शिलांग

अगर आप भारत के किसी ऐसे शहर का दीदार करना चाहते हैं, जहां पर आपको चारों ओर प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव हो। तो आपको शिलांग जाना चाहिए। यहां के नजारे देखकर आपको अपनी आंखों पर विश्वास नहीं होगा। इस मॉनसून में आप अपने दोस्तों के साथ रोड ट्रिप पर शिलांग जा सकते हैं। जहां पर आप सुंदर फॉल्स और आकर्षक नजारों का दीदार कर सकते हैं।

गोवा

वैसे तो गोवा घूमने का सबसे अच्छा समय ठंड का मौसम होता है। लेकिन अगर आप मॉनसून में गोवा घूमने जाते हैं, तो आपको अद्भुत और अकल्पनीय अनुभव प्राप्त होगा। क्योंकि बारिश के मौसम में गोवा की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में मॉनसून में आपको अद्भुद एक्सपीरियंस होगा।

कुर्ग

कर्नाटक में स्थित कुर्ग एक ऐसा इलाका है, जहां पर आपको कई सारे जंगल देखने को मिलेंगे। इस जगह की सुंदरता बारिश के मौसम में अधिक बढ़ जाती है। यहां पर मॉनसून में आपको कॉफी के बागान और खूबसूरत झीलें आदि देखने को मिलेंगे। वहीं अपने एक्सपीरियंस को खास बनाने के लिए आप कुर्ग में ट्री हाउस में स्टे कर सकते हैं।

लोनावला

महाराष्ट्र के पास स्थित लोनावला एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। लोनावला के आसपास कई सारे झरने हैं। वहीं यह जगह काफी ऊंचाई पर होने की वजह से आप बादलों की सुंदरता को करीब से देख पाएंगे। मॉनसून में यह जगह स्वर्ग जैसी हो जाती है। यह जगह कपल्स की फेवरेट है और यहां पर कई कपल्स घूमने के लिए आते हैं।

रोज सुबह उठ कर खा लें ये चीज, नसों में रहेगी ताकत

स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने के लिए सही पोषण बेहद महत्वपूर्ण है, और सुबह का समय इसका आदर्श मौका प्रदान करता है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी नसों में ताकत बनी रहे और आप दिनभर ऊर्जावान महसूस करें, तो सुबह उठकर एक विशेष चीज का सेवन आपकी मदद कर सकता है। यह खास पदार्थ नसों को मजबूत बनाने, शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने और मानसिक ताजगी बनाए रखने में सहायक होता है। नियमित रूप से इस चीज का सेवन करने से आप न केवल अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं बल्कि अपने दिन की शुरुआत भी सकारात्मक और ऊर्जा से भरपूर कर सकते हैं। आइए, जानते हैं कि वह खास चीज कौन सी है और इसे अपने सुबह के रूटीन में कैसे शामिल किया जा सकता है। हम सभी जानते हैं कि शरीर को ताकतवर और स्वस्थ बनाने के लिए ड्राई फ्रूट्स का सेवन अत्यंत फायदेमंद होता है। ड्राई फ्रूट्स, जैसे कि बादाम, अखरोट, काजू, पिस्ता, और किशमिश, आपके स्वास्थ्य के लिए कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व प्रदान करते हैं। आइए, जानते हैं ड्राई फ्रूट्स के सेवन के प्रमुख लाभ और उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव

बादाम

हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। दिमागी शक्ति को बढ़ाता है और याददाश्त में सुधार करता है। त्वचा के लिए लाभकारी, त्वचा को निखारता है। वजन प्रबंधन में मदद करता है।

खरोट

ओमेगा–3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत, जो हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। दिमाग की शक्ति बढ़ाता है और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर, जो शरीर को मुक्त कणों से बचाते हैं।

काजू

हड्डियों को मजबूत बनाता है, कैल्शियम का अच्छा स्रोत।ऊर्जा प्रदान करता है और कमजोरी दूर करता है।पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और कब्ज से राहत देता है।

पिस्ता

हृदय के स्वास्थ्य के लिए अच्छा, कोलेस्ट्रॉल कम करने में सहायक। वजन घटाने में मदद करता है, लंबे समय तक भूख को नियंत्रित करता है।

पाचन तंत्र को सुधारता है और पाचन को सुविधाजनक बनाता है।

किशमिश

पाचन को बेहतर बनाता है, फाइबर का अच्छा स्रोत। आयरन और पोटेशियम से भरपूर, जो खून की कमी को दूर करता है। हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है।

अंजीर

फाइबर से भरपूर, पाचन में सुधार करता है। कैल्शियम और आयरन का अच्छा स्रोत, हड्डियों और खून के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी।

वजन कम करने में मदद करता है और शरीर की ताकत बढ़ाता है।

खजूर

ऊर्जा का अच्छा स्रोत, त्वरित शक्ति प्रदान करता है। पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और कब्ज से राहत प्रदान करता है। विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर, जिससे समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है।

अखरोट

हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखता है। पाचन में मदद करता है और भूख को नियंत्रित करता है। त्वचा को निखारता है और उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करता है।

तावाय

ऊर्जा प्रदान करता है और थकान दूर करता है। आयरन से भरपूर, खून की कमी को दूर करता है। पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और पेट की समस्याओं से राहत देता है।

ड्राई फ्रूट्स खाने के लाभ और उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव।

एनर्जी मिलती है

ड्राई फ्रूट्स में उच्च मात्रा में प्राकृतिक शर्करा, जैसे कि ग्लूकोज और फ्रक्टोज, होती है जो तुरंत ऊर्जा प्रदान करती है। यह शरीर को दिनभर सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करती है।

हृदय स्वास्थ्य

ड्राई फ्रूट्स, विशेषकर अखरोट और बादाम, ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करते हैं। ये एसिड रक्तदाब को नियंत्रित करते हैं और हृदय रोगों के जोखिम को कम करते हैं।

दिमाग की शक्ति

ड्राई फ्रूट्स में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स, जैसे कि विटामिन म् और ठ–बवउचसमग•, मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। नियमित सेवन से ध्यान और याददाश्त में सुधार हो सकता है।

पाचन तंत्र की सेहत

किशमिश और अंजीर जैसे ड्राई फ्रूट्स में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और कब्ज से राहत देने में सहायक होती है।

वजन प्रबंधन

ड्राई फ्रूट्स का सेवन आपके मेटाबोलिज्म को तेज कर सकता है, जिससे वजन को नियंत्रित करना आसान हो सकता है। इन्हें सही मात्रा में खाने से भूख कम लगती है और अधिक खाने की आदतें नियंत्रित रहती हैं।

इन ड्राई फ्रूट्स को अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं और अपने शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त कर सकते हैं।

चश्मा उतारने के लिए रोजाना करें ये 5 योगासन

आजकल की तेज–रफ्तार जिंदगी और स्क्रीन पर बिताए गए समय के कारण आंखों की समस्याएं आम होती जा रही हैं। बहुत से लोग चश्मे का सहारा लेते हैं या आंखों की रोशनी कम होने की समस्या का सामना कर रहे हैं। हालांकि, चिकित्सा विज्ञान और दवाइयों के अलावा भी आंखों की देखभाल के लिए कुछ नेचुरल उपाय मौजूद हैं। योग और व्यायाम की मदद से आपकी आंखों की सेहत में सुधार हो सकता है। विशेष रूप से, कुछ योगासन और तकनीकें हैं जो आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर, रक्त प्रवाह को बढ़ाकर, और दृष्टि को सुधारने में मदद कर सकती हैं। अगर आप नियमित रूप से इन योगासनों का अभ्यास करें, तो आपकी आंखों की रोशनी में सुधार संभव है और आप चश्मा लगाने से भी मुक्ति पा सकते हैं। इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ प्रभावशाली योगासनों के बारे में बताएंगे, जो आपकी आंखों की देखभाल में सहायक हो सकते हैं। चलिए जानते हैं उन योगासन के बारे में

अंजन चालन

सीधे बैठ जाएँ और अपनी आँखों को बंद करें। अब अपनी आँखों को धीरे–धीरे ऊपर, नीचे, बाईं और दाईं ओर घुमाएँ। यह प्रक्रिया 5–10 बार हर दिशा में करें।

यह आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और दृष्टि में सुधार लाता है।

पलकों की एक्सरसाइज

आरामदायक स्थिति में बैठ जाएँ। अपनी आँखों को पूरी तरह से बंद करें और पलकों को तेजी से ऊपर–नीचे करें। यह प्रक्रिया 10–15 बार करें। यह आंखों की मांसपेशियों को स्फूर्ति और ताकत प्रदान करता है, जिससे आंखों का थकावट दूर होता है।

ध्यान और त्राटक

एक स्थिर बिंदु, जैसे मोमबत्ती की लौ या किसी छोटे बिंदु पर ध्यान केंद्रित करें। ध्यान लगाते हुए इसे बिना पलक झपकाए देखें। कुछ समय बाद आँखें बंद कर लें और गहरी सांस लें। यह आंखों की मांसपेशियों को प्रशिक्षित करता है, आंखों की रोशनी में सुधार लाता है, और तनाव कम करता है।

सूक्ष्म प्राणायाम

त्राटक योग के साथ साथ आंखों के सूक्ष्म प्राणायाम को भी काफी मददगार कहा गया है। इस योग में अपने हाथ के अंगूठे को देखते रहना है। फिर हाथ को दाईं से बाईं तरफ और बाईं से दाईं तरफ घुमाना है और आंखों को भी अंगूठे पर केंद्रित रखना है। यानी जहां जहां अंगूठा जाएगा, आंखों को वहीं ध्यान केंद्रित करना है। इस व्यायाम को रोज करीब 15 मिनट तक करने पर आंखों की रोशनी तेज होती है और साथ साथ आंखों से जुड़ी कई परेशानियां दूर होती हैं। कहा गया है कि इन दोनों योग को लगातार कुछ महीने तक किया जाए तो बिना दवाई और ऑपरेशन के आपकी आंखों से पावर का चश्मा उतर सकता है। इन दोनों व्यायाम को सुबह के समय करना चाहिए। इसके साथ साथ आंखों को आराम देना, मोबाइल कम देखना और आई एक्सपोजर कम करने से भी मदद मिलती है।

नेत्र प्यारी

दोनों हाथों को गहरे से गर्म करें और फिर अपनी आँखों को पूरी तरह से ढक लें। आराम की स्थिति में बैठें और गहरी सांस लें। यह प्रक्रिया 2–3 मिनट तक करें। यह आंखों को आराम देता है, दृष्टि में सुधार लाता है, और आँखों के थकावट को कम करता है। इन योगासनों का नियमित अभ्यास (हर दिन 15–20 मिनट) तीन महीने के भीतर आपकी आंखों की रोशनी पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। ध्यान दें कि इन आसनों को सही विधि और नियमितता के साथ किया जाए, ताकि अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

जब जीवन व्यस्त हो जाए तो रिश्ते की नैया कैसे पार लगाएं?

यदि आप एक व्यस्त व्यक्ति हैं और किसी अन्य व्यस्त व्यक्ति को डेट कर रहे हैं, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आपका व्यस्त कार्यक्रम आपके प्रेम जीवन पर भारी पड़ रहा होगा। आप तनाव को देख सकते हैं, लेकिन इसे कैसे प्रबंधित किया जाए, यह पता लगाना भारी लग सकता है। चिंता न करें, व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह असंभव नहीं है। व्यस्त दिनों और व्यस्त कैलेंडर के बीच भी, आप अपने रिश्ते को बनाए रख सकते हैं। आप पूछेंगे कैसे? चलिए आपको बताते हैं कैसे व्यस्त जीवन के बीच आप अपने पार्टनर को प्यार महसूस करा सकते हैं और अपने रिश्ते को मजबूत कर सकते हैं। जितना भी समय साथ बिताएं, अच्छे से बिताएं– आपके और आपके पार्टनर का ऑफिस से जाने और आने का समय फिक्स है। दोनों को एक–दूसरे की छुट्टियों का भी मालूम होगा। इसलिए इन सब के बीच आपको जितना भी समय एक–साथ मिल रहा है, उसे अच्छे से गुजारें। इस दौरान फोन और लैपटॉप की जगह एक–दूसरे पर ध्यान दें। आप चाहें तो सुबह की चाय साथ में बैठकर पी सकते हैं या फिर रात को सोने से पहले अपने पूरे दिन की बातचीत करने का शेड्यूल बनाकर समय बिता सकते हैं। छोटे–छोटे तरीकों से एक दूसरे का सहयोग करें– कई बार आप अपने ऑफिस के काम में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने पार्टनर को हाय, हेलो कहने का ही समय मुश्किल से मिल पाता है। ऐसे समय में छोटे–छोटे तरीकों से एक–दूसरे को प्यार महसूस कराने की कोशिश करें। आप चाहें तो पार्टनर के लिए नोट छोड़ सकते हैं या फिर हो सकता है कि ऑफिस के काम की वजह से उनके सिर में दर्द हो रहा हो तो उन्हें चाय बनाकर दे सकते हैं। रिश्ते में प्यार दिखाने के लिए हर बार कुछ बड़ा करने की जरुरत नहीं होती, कई बार अपनी मौजूदगी का एहसास कराना भी जरुरी है।

संक्षिप्त

तीन दिनों में सोने की कीमत में आई 1400 रुपये की तेजी, चांदी में भी बढ़ोतरी

सोने की कीमत में मंगलवार 20 अगस्त को मामूली गिरावट देखने को मिली है। सोने की कीमत मंगलवार को 71 रुपये नीचे आ गई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 71,513 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुली, जो कि 0.1ः या 71 रुपये की गिरावट है। वहीं चांदी की कीमत 88 रुपये की बढ़त के साथ 84,426 रुपये प्रति किलोग्राम पर है। भारत में आज सोने की कीमतरू 20 अगस्त को भारत में सोने की कीमत 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब रही। उच्चतम शुद्धता वाले 24 कैरेट सोने की कीमत 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। आभूषण खरीदने वालों के लिए, 22 कैरेट सोना, जो कि थोड़े मिश्र धातु मिश्रण के कारण अपनी अतिरिक्त मजबूती के लिए जाना जाता है, की कीमत 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। इसके विपरीत चांदी की कीमत 85,800 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

भारत में सोने की खुदरा कीमत

भारत में सोने का खुदरा मूल्य, जो उपभोक्ताओं के लिए प्रति इकाई वजन की अंतिम लागत को दर्शाता है, उसके आंतरिक मूल्य के अलावा कई कारकों से निर्धारित होता है। कमजोर हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में मंगलवार को सोने की कीमत एक रुपये की गिरावट के साथ 71,583 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव एक रुपये की गिरावट के साथ 71,583 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इसमें 17,375 लॉट का कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के कारण सोना वायदा कीमतों में गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.05 प्रतिशत चढ़कर 2,542.50 डॉलर प्रति औंस हो गया।

नारायण मूर्ति ने पत्नी की मदद से खड़ी की इंफोसिस कंपनी, बर्थडे पर जानिए रोचक बातें

वर्तमान समय में इंफोसिस देश की दिग्गज आईटी कंपनियों में से एक है। साल 1981 में एन आर नारायण मूर्ति और उनके साथी इंजीनियरों ने इंफोसिस कंपनी की स्थापना की थी। आज यानी की 20 अगस्त को वह अपना 78वां जन्मदिन मना रहे हैं।

आज वह सफल बिजनेसमैन की लिस्ट में शामिल है। नारायण मूर्ति की सफलता के पीछे उनकी पत्नी सुधा मूर्ति का बहुत बड़ा योगदान है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर एन आर नारायण मूर्ति के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

बता दें कि इन दोनों की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। सुधा और नारायण दोनों पुणे स्थित टाटा इंजीनियरिंग एंड लोकोमोटिव कंपनी में काम करते थे। यहीं से दोनों की लव स्टोरी की शुरूआत हुई थी। एक कंपनी में काम करते–करते दोनों एक दूसरे के प्यार में पड़ गए। भले ही नारायण मूर्ति और सुधा एक कंपनी में काम करते थे, लेकिन दोनों की पहली मुलाकात और बातचीत एक दोस्त की पार्टी में हुई थी। इस मुलाकात के बाद दोनों में दोस्ती हो गई और समय के साथ यह दोस्ती प्यार में बदल गई। नारायण मूर्ति एक साधारण मिडिल क्लास फैमिली से ताल्लुक रखते थे, तो वहीं सुधा पैसों के मामले में उनसे कहीं आगे थीं। लेकिन इस चीजों का उनके रिश्ते पर जरा भी असर नहीं पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुधा मूर्ति और नारायण मूर्ति जब भी डेट पर जाते थे, तो सारे बिल सुधा भरती थीं। वहीं फिर नारायण मूर्ति ने बिलकुल देसी अंदाज में सुधा को प्रपोज किया, तो सुधा मूर्ति ने उनके प्रपोजल को एक्सेप्ट कर लिया। लेकिन सुधा के परिवार वाले इस रिश्ते के लिए राजी नहीं थे, परिवार वालों को लगता था कि नारायण मूर्ति उनकी बेटी के लिए सही नहीं हैं। लेकिन दोनों ने परिवारों को मनाया और 10 फरवरी 1978 को शादी कर ली। बता दें कि अपनी पत्नी सुधा मूर्ति से 10,000 रुपए उधार लेकर नारायण मूर्ति ने इंफोसिस की नींव रखी थी। नारायण मूर्ति ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि उन्होंने सुधा मर्ति के बर्थडे के दिन नौकरी छोड़ दी थी। इस पर उनकी पत्नी ने कहा था कि उनके पास जितना है, वह उसमें रह लेंगे। इसके बाद साल 1981 में नारायण मूर्ति ने सुधा मूर्ति की मदद से इंफोसिस की शुरूआत की।

रिलायंस, टाइटन समेत पांच बड़ी कंपनियों ने निकाले 52 हजार कर्मचारी

नई दिल्ली। युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी के बीच कमजोर मांग के कारण खुदरा क्षेत्र की पांच बड़ी कंपनियों ने 2023–24 में 52,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कंपनियों की ताजा सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, यह संख्या पांचों फर्मों की संयुक्त श्रमबल का 17 फीसदी है। छंटनी करने वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल, टाटा समूह की टाइटन, रेमंड, पेज इंडस्ट्रीज और स्पेन्सर शामिल हैं। कुल छंटनी में रिलायंस रिटेल की हिस्सेदारी सर्वाधिक रही। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष के दौरान 38,029 लोगों की छंटनी की। रिलायंस इंडस्ट्रीज की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस रिटेल के कर्मचारियों की संख्या वित्त वर्ष 2023–24 में घटकर 2,07,552 रह गई। 2022–23 के दौरान कंपनी के पास 2,45,581 कर्चमारी थे। टाइटन के कर्मचारियों की संख्या 2022–23 के 26,104 से घटकर 2023–24 में 17,535 रह गई। इस तरह, कंपनी ने बीते वित्त वर्ष के दौरान 8,569 लोगों को नौकरी से निकाला।

एक ओवर में 39 रन! समोआ के इस बल्लेबाज ने टी20 में खेली ऐतिहासिक पारी, 14 छक्कों की मदद से बनाए 132 रन

यह डेरियस विसर का सिर्फ तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था और उसी में उन्होंने ऐतिहासिक पारी खेल दी। पिछले दो अंतरराष्ट्रीय मैचों में विसर ने 30' और 21 रन की पारी खेली थी।

नई दिल्ली। समोआ के मध्यक्रम के बल्लेबाज डेरियस विसर ने मंगलवार को वनातु के खिलाफ एक ओवर में 39 रन बनाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया रिकॉर्ड बनाया। विसर ने तेज गेंदबाज नलिन निपिको के एक ओवर में छह छक्के मारे। इस ओवर में तीन नोबॉल भी शामिल थीं जिससे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड बन गया। उन्होंने 62 गेंदों में पांच चौकों और 14 छक्कों की मदद से 132 रन बनाए। विसर इस प्रारूप में शतक बनाने वाले समोआ के पहले बल्लेबाज हैं। इससे पहले पांच अवसरों पर किसी गेंदबाज ने एक ओवर में 36 रन दिए। इन गेंदबाजों में स्टुअर्ट ब्रॉड (2007), अकिला धनंजय (2021), करीम जन्नत (2024), कामरान खान (2024) और अजमतुल्लाह उमरजई (2024) शामिल हैं। दरअसल, मंगलवार को आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप सब रिजनल ईस्ट एशिया पैसिफिक क्वालिफायर–ए इवेंट में समोआ का मुकाबला वनातु से था। एपिया में खेले गए इस मैच में विसर की पारी की बदौलत एक ओवर में 39 रन बने। पारी के 15वें ओवर में विसर ने छह छक्के लगाए और इसमें उनकी मदद तीन नो बॉल ने की। विसर ने यह रन वनातु के निपिको के ओवर में बटोरे। विसर ने साथ ही युवराज द्वारा 17 साल पहले बनाए गए रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड है एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में किसी टीम द्वारा एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का। युवी ने 2007 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड की लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगाए थे। तब भारत ने एक ओवर में 36 रन बटोरे थे। इसके अलावा वेस्टइंडीज के किरोन पोलार्ड ने 2021 में, निकोलस पूरन ने 2024 में और नेपाल के दीपेंद्र सिंह एयरी ने 2024 में एक ओवर में 36–36 रन बटोरे थे। विसर ने 15वें ओवर में निपिको की पहली तीन गेंद पर तीन छक्के लगाए। इसके बाद निपिको ने नो बॉल फेंकना शुरू किया और तीन नो बॉल फेंक डाले, जिससे विसर को तीन अतिरिक्त गेंदें मिलीं। इतना ही नहीं, विसर ने पांचवीं गेंद डॉट भी खेली थी। इसके बावजूद वह 39 रन बटोरने में कामयाब रहे। टी20 अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, ओवरऑल टी20 में भी एक ओवर में सबसे ज्यादा रन आने का रिकॉर्ड टूट गया। इससे पहले टी20 में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन आने का रिकॉर्ड 38 रन का था। यह रिकॉर्ड 24 जुलाई, 2012 को ससेक्स और ग्लॉस्टरशायर के बीच मुकाबले में बना था। अब समोआ की टीम आगे निकल गई है।

एक ओवर में कैसे बने 39 रन?

पहली गेंदः डेरियस विसर ने छक्का जड़ा

दूसरी गेंदः डेरियस विसर ने छक्का जड़ा

तीसरी गेंदः डेरियस विसर ने छक्का जड़ा

चौथी गेंदः नोबॉल का एक रन

चौथी गेंदः डेरियस विसर ने छक्का जड़ा

पांचवीं गेंदः डॉट बॉल (कोई रन नहीं)

छठी गेंदः नोबॉल का एक रन

छठी गेंदः नोबॉल, डेरियस विसर ने छक्का जड़ा, सात रन मिले

छठी गेंदः डेरियस विसर ने छक्का जड़ा

मैच की बात करें तो विसर की पारी की बदौलत मैच में समोआ ने 174 रन का स्कोर बनाया। विसर के बाद उनकी टीम की तरफ से दूसरा सर्वोच्च स्कोर कप्तान कालेब जसमत का 16 रन था। इसके जवाब में वनातु की टीम नौ विकेट पर 164 रन ही बना सकी और 10 रन से मैच हार गई। विसर ने 62 गेंद में 132 रन की तूफानी पारी खेली। इनमें पांच चौके और 14 छक्के शामिल हैं। यह विसर का सिर्फ तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था और उसी में उन्होंने ऐतिहासिक पारी खेल दी। पिछले दो अंतरराष्ट्रीय मैचों में विसर ने 30' और 21 रन की पारी खेली थी।

फ्रेशर्स के लिए इंफोसिस लाया है खास ` पावर' प्रोग्राम, मिलेगा नौ लाख तक का वेतन

इंफोसिस ने कॉलेजों के लिए अलग–अलग नियुक्तियों के साथ एक 'पावर प्रोग्राम' शुरू किया है। इस प्रोग्राम के तहत आईटी प्रमुख प्रति वर्ष 9 लाख रुपये तक के पैकेज की पेशकश कर रहा है। मामले से जुड़े दो लोगों के हवाले से इकोनॉमिक टाइम्स ने बताया कि कंपनी का एंट्री–लेवल फ्रेशर्स का वेतन पैकेज 3–3.5 लाख रुपये के बीच है, जो नए प्रोग्राम को अलग बनाता है। इस मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने आउटलेट को बताया, इन श्रेणियों में भर्ती का फोकस कोडिंग और सॉफ्टवेयर चुनौतियों, प्रोग्रामिंग कौशल परीक्षण और टेस्ट और साक्षात्कार दोनों के लिए अन्य विशेष कौशल परीक्षणों पर है। इंफोसिस के लिए, ये वेतन पैकेज 4–6.5 लाख और 9 लाख के बीच हैं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (ज्ै) की भी ऐसी ही एक पहल है जिसका नाम है 'प्राइम' जो सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रोफाइल के लिए फ्रेशर्स की विशेष भर्ती पर ध्यान केंद्रित करती है और प्रति वर्ष 9–11 लाख रुपये की रेंज में वेतन प्रदान करती है। ज्ै तीन श्रेणियों के तहत फ्रेशर्स को नियुक्त करती है– 'निंजा' जिसमें लगभग 3.6 लाख रुपये का पैकेज होता है, 'डिजिटल' जिसमें 7.5 लाख रुपये और 'प्राइम' होता है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक के तौर पर जलाल यूनुस का इस्तीफा

ढाका। जलाल यूनुस ने सोमवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक और क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय खेल परिषद, बांग्लादेश में 41 विभिन्न खेल निकायों के नियंत्रण अधिकारियों ने यूनुस को अपने पद से इस्तीफा देने के लिए कहा। यूनुस बांग्लादेश के पूर्व तेज गेंदबाज भी थे और उन्होंने 1980 के दशक में पेशेवर क्रिकेट खेला था। वह 1990 के दशक से एक खेल आयोजक भी रहे हैं। 2009 के बाद से उन्होंने बीसीबी में एक महत्वपूर्ण पद संभाला और बाद में 2021 में क्रिकेट संचालन प्रमुख बने। यूनुस ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से कहा कि वह इस पद पर रहकर बांग्लादेश में क्रिकेट की प्रगति को रोकना नहीं चाहते।

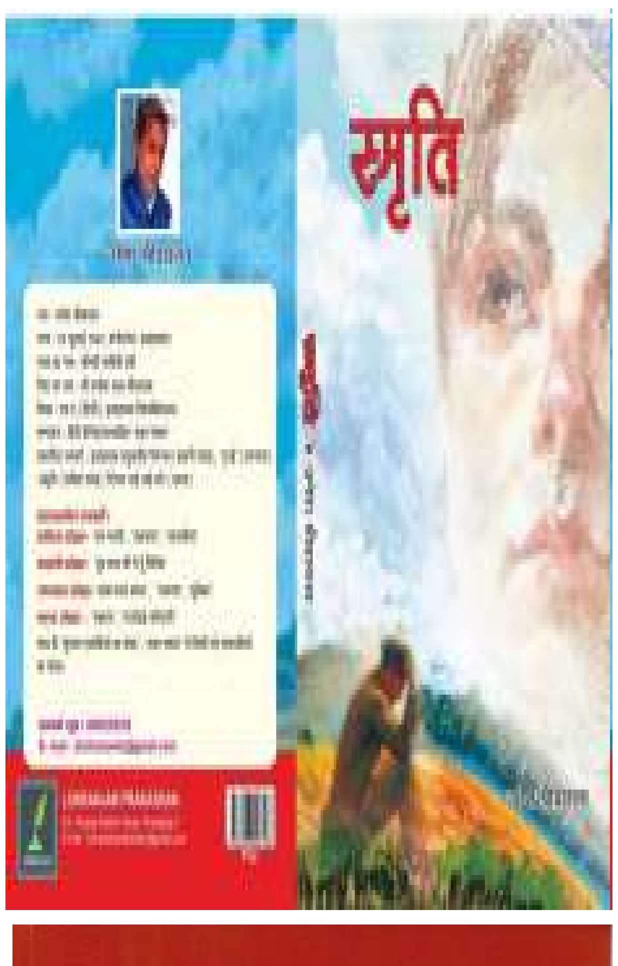

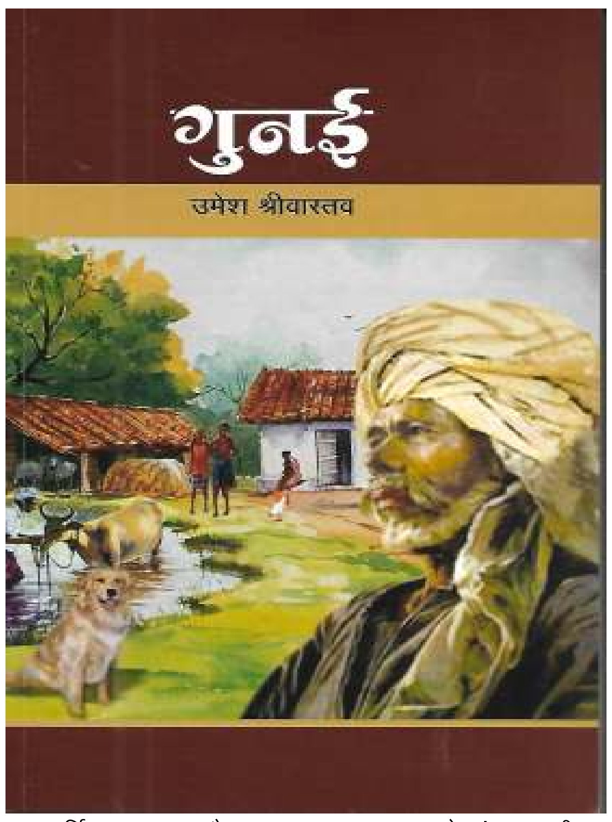

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

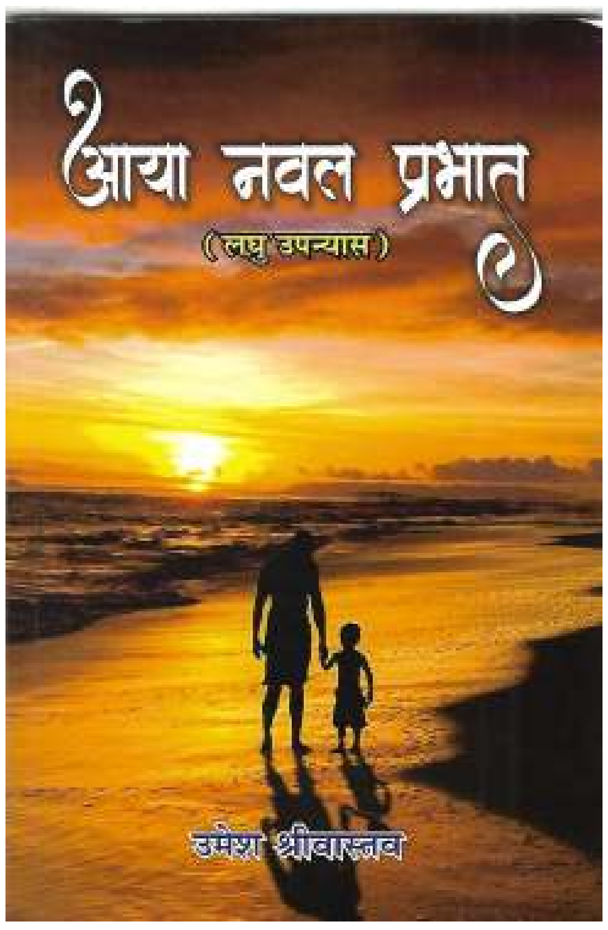

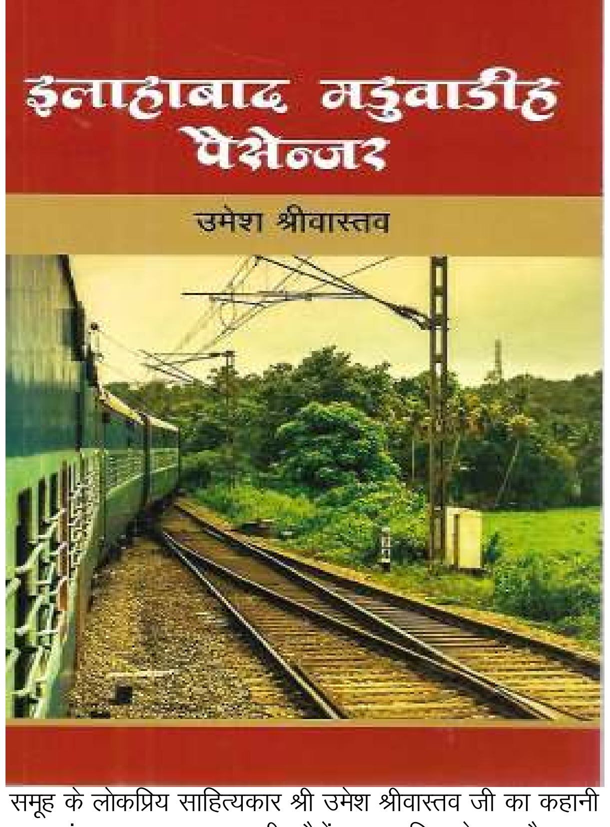

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

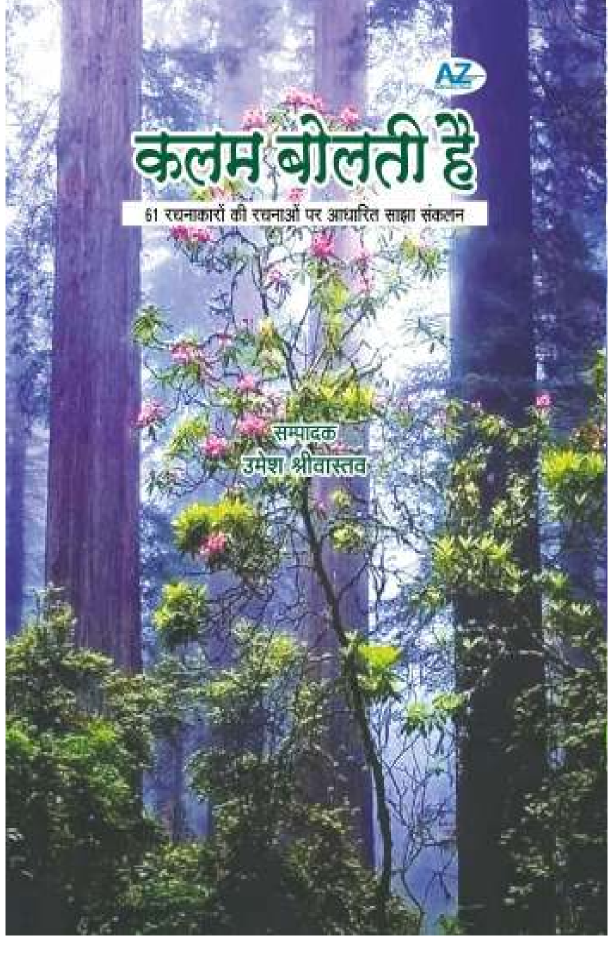

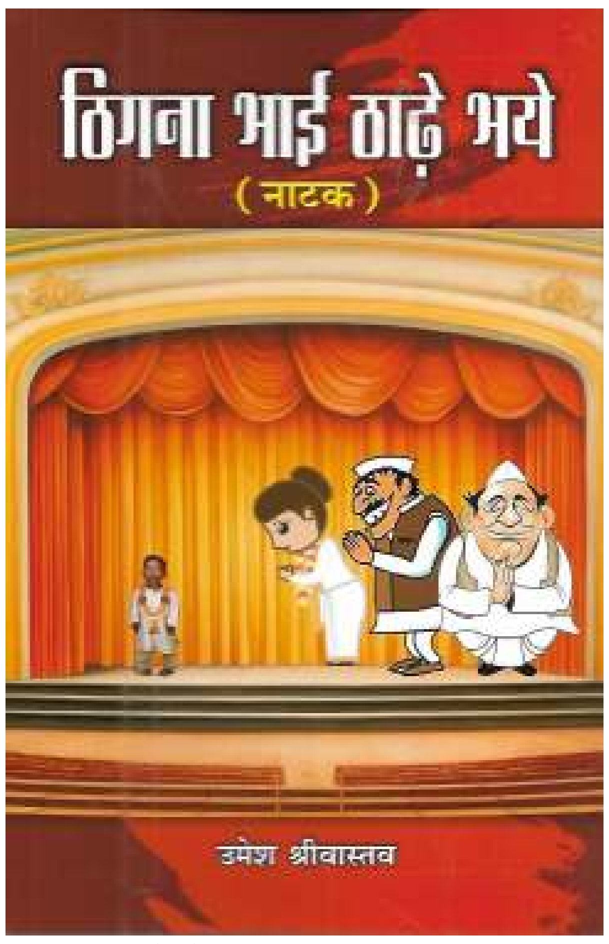

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में हिस्सा लेने से पहले हैरिस की लोकप्रियता में हुआ इजाफा

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी में उत्साह और अमेरिकियों के बीच अपनी लोकप्रियता में वृद्धि के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। 'एसोसिएटेड प्रेस–एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च' के एक नए सर्वेक्षण के मुताबिक, अमेरिका के लगभग आधे वयस्क (48 प्रतिशत) हैरिस के बारे में बहुत या कुछ हद तक अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं। गर्मी की शुरुआत में ऐसे अमेरिकियों की संख्या 39 प्रतिशत थी,

लिहाजा अब इसमें वृद्धि देखी गई है। उस समय पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद अंततरू जो बाइडन को राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी से हटना पड़ा था। हैरिस ने न केवल अपनी लोकप्रियता में सुधार किया है बल्कि उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के तौर बाइडन की लोकप्रियता को भी पीछे छोड़ दिया है, जिनके बारे में 38 प्रतिशत अमेरिकियों ने अनुकूल विचार प्रकट किए थे। इसके अलावा हैरिस ट्रंप से भी आगे हैं, जिनके बारे में 41 प्रतिशत वयस्क अनुकूल विचार रखते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन सोमवार से शुरू हो रहा है। सम्मेलन के दौरान हैरिस (59) बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए भाषण देंगी। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं, जिसके लिए डेमोक्रेटिक पार्टी ने हैरिस को अपना उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होगा।

सूडान में हैजा बीमारी फैलने से कम से कम 22 लोगों की मौत : स्वास्थ्य मंत्री

सूडान में हैजा बीमारी फैलने से हाल के सप्ताह में कम से कम 22 लोगों मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोगों का इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अफ्रीकी देश सूडान में 16 महीने से संघर्ष जारी है। साथ ही यह विनाशकारी बाढ़ से भी प्रभावित है। सूडान के स्वास्थ्य मंत्री हैथम मोहम्मद इब्राहिम ने एक बयान में कहा कि हाल के सप्ताह में हैजा के कारण कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है जबकि कम से कम 354 मामलों की पुष्टि हुई है।

शेख हसीना पर दो विद्यार्थियों की मौत के सिलसिले में हत्या का एक अन्य मामला दर्ज

बांग्लादेश में हाल ही में आरक्षण–विरोधी प्रदर्शन के दौरान दो कॉलेज विद्यार्थियों की मौत को लेकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पर रविवार को हत्या का एक अन्य मामला दर्ज किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री (76) पर दर्ज किये गये विभिन्न मामलों में यह नवीनतम मामला है। वह सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली के विरुद्ध विद्यार्थियों के जबर्दस्त

प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त को पद छोड़कर भारत चली गयी थीं। हिंसा के दौरान ढाका के सूत्रापुर क्षेत्र में दो विद्यार्थियों की मौत को लेकर हसीना एवं 12 अन्य पर यह (नया) मामला दर्ज किया गया। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने खबर दी है कि कोबी नजरूल सरकारी महाविद्यालय के विद्यार्थी इकराम हुसैन कावसेर और शहीद सुहरावर्दी महाविद्यालय के विद्यार्थी उमर फारूक की मौत को लेकर ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में यह नया मामला दर्ज किया गया।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का चांसलर बनेंगे इमरान खान! पूर्व ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन–टोनी ब्लेयर से होगा

जेल में बंद पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का अगला चांसलर बनने के लिए आवेदन किया है, उनकी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ये जानकारी दी है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय नायक और पूर्व प्रधानमंत्री, पाकिस्तान की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी पीटीआई के संस्थापक और अध्यक्ष एक क्रिकेट दिग्गज, इमरान खान ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रह चुके हैं। वो जेल में रहते हुए भी ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के चांसलर पद की रेस में शामिल हो गए हैं। इमरान की पार्टी पीटीआई ने एक पोस्ट में कहा कि एक साल से अधिक समय तक गैरकानूनी तरीके से कैद में रहने के बावजूद, खान अपने सिद्धांतों और उन मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध हैं, जिनकी वह वकालत करते हैं। जुल्फी बुखारी ने पुष्टि की है कि आवेदन औपचारिक रूप से जमा कर दिया गया है। ऑक्सफोर्ड ने अंतिम लिस्ट जारी नहीं की है मगर कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, थेरेसा मे और बोरिस जॉनसन भी चुनाव लड़ने वाले हैं। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, खान की पार्टी की घोषणा हांगकांग के अंतिम ब्रिटिश गवर्नर क्रिस पैटन की फरवरी में घोषणा के बाद आई है कि वह ऑक्सफोर्ड चांसलर के रूप में पद छोड़ देंगे। हालाँकि, विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार, 10 साल की अवधि के लिए उम्मीदवारों की सूची अक्टूबर तक सार्वजनिक नहीं की जाएगी, और मतदान उस

महीने के अंत में होना है। खान ने दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र का अध्ययन करने के बाद 1975 में विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। अल जज़ीरा के अनुसार, कथित तौर पर उन्होंने पाकिस्तान के महानतम क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपने करियर के दौरान प्लेबॉय जीवन शैली का नेतृत्व किया, और नियमित रूप से ब्रिटेन की गॉसिप पत्रिकाओं के पन्नों की शोभा बढ़ाते रहे। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने जीवन में तीन बार शादी की, जिसमें ब्रिटिश सोशलाइट और फिल्म निर्माता जेमिमा गोल्डस्मिथ भी शामिल थीं। उन्होंने 2005 से 2014 तक ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय के चांसलर के रूप में भी कार्य किया। खान ने बाद में परोपकार और राजनीति की ओर रुख किया, 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया। खान को 2022 में प्रधान मंत्री पद से हटा दिया गया था जब वह विश्वास मत हार गए थे, जिसके बाद उन्होंने पाकिस्तान की सेना पर हमला करते हुए एक मजबूत वापसी अभियान शुरू किया, जिसके प्रमुख जनरलों ने एक बार उनका समर्थन किया और देश की सड़कों पर भारी भीड़ जमा कर दी।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में दाखिल होने का मकसद 'बफर जोन' स्थापित करना :

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के दाखिल होने का मकसद वहां एक 'बफर जोन' बनाना है, ताकि मॉस्को को सीमा पार और हमले करने से रोका जा सके। जेलेंस्की ने कुर्स्क क्षेत्र में छह अगस्त को शुरू किए गए इस साहसिक अभियान की मंशा पहली बार स्पष्ट रूप से जाहिर की है। पहले उन्होंने कहा था कि अभियान का मकसद सीमावर्ती सुमी क्षेत्र में लोगों को रूस की ओर से लगातार जारी गोलाबारी से बचाना है। जेलेंस्की ने कहा, "कुल मिलाकर अब रक्षात्मक अभियानों में हमारी प्राथमिकता जितना संभव हो, रूस की युद्ध क्षमता को नष्ट करना और अधिकतम जवाबी कार्रवाई करना है। इसमें कुर्स्क क्षेत्र में हमारा अभियान शामिल है, जिसका उद्देश्य आक्रमणकारी के क्षेत्र में एक 'बफर जोन' बनाना है।" अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेन ने छह अगस्त को शुरू

किए गए अभियान के तहत सीमा पार आक्रमण तेज करते हुए पिछले सप्ताहांत कुर्स्क क्षेत्र में एक प्रमुख पुल को ध्वस्त कर दिया था और उसके निकटवर्ती पुल पर हमला किया था, जिससे रूस को होने वाली आपूर्ति बाधित हुई थी। सैन्य मामलों के रूस समर्थक ब्लॉगर ने माना कि ग्लुशकोवो शहर के पास सीम नदी पर एक पुल के नष्ट होने से यूक्रेन के आक्रमण से निपटने के लिए रूसी सेना की आपूर्ति बाधित हुई थी, हालांकि रूस अब भी 'पंटून' और छोटे पुलों का उपयोग कर सकता है। यूक्रेन के वायु सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मायकोला ओलेशचुक ने शुक्रवार को एक हवाई हमले का वीडियो जारी किया था, जिसमें पुल दो टुकडों में बिखरा हुआ दिखाई दे रहा था। ओलेशचुक और रूस के क्षेत्रीय गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव के अनुसार, दो दिन से भी कम समय में यूक्रेनी सैनिकों ने रूस में एक दूसरे पुल पर हमला किया। यूक्रेन ने इससे पहले टैंकों और अन्य बख्तरबंद वाहनों से रूस में अपने हमले के दायरे और लक्ष्यों के बारे में बहुत कम जानकारी दी थी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यह रूस पर सबसे बड़ा हमला था, जिससे रूस आश्चर्यचकित रह गया था और कई गांवों व सैकड़ों कैदियों को यूक्रेन ने अपने कब्जे में ले लिया था। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने "अच्छे और बहुत जरूरी परिणाम हासिल कर लिए हैं।" जेलेंस्की पश्चिमी देशों से रूसी क्षेत्र में और गहराई में स्थित लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति देने की मांग कर रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने शनिवार को कीव के सहयोगियों से कुर्स्क सहित अन्य क्षेत्र में स्थित लक्ष्यों पर हमले के लिए पश्चिमी हथियारों के इस्तेमाल पर लगे बाकी प्रतिबंधों को हटाने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि अगर यूक्रेनी सैनिकों को पर्याप्त दूरी के लक्ष्यों को निशाना बनाने की क्षमता हासिल हो गई, तो वे रूसी बलों को "और आगे बढ़ने तथा अतिरिक्त तबाही मचाने से रोक सकते हैं।

विवादित जलक्षेत्र में फिर चीन और फिलिपीन्स के जहाजों की टक्कर, दोनों देशों ने एक–दूसरे पर लगाए आरोप

ताइपे। चीन और फिलिपीन के तटरक्षक जहाज सोमवार को समुद्र में सबीना शोल नामक क्षेत्र के निकट टकरा गए जिससे कम से कम दो नौकाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। सबीना शोल दक्षिण चीन सागर में पड़ने वाले देशों के बीच चिंताजनक रूप से बढ़ते क्षेत्रीय विवाद का नया केंद्र बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने स्प्रैटली द्वीप समूह में एक विवादित क्षेत्र सबीना शोल के पास हुई टक्कर के लिए एक दूसरे को दोषी ठहराया है, इस टक्कर में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।वियतनाम और ताइवान भी स्प्रैटली द्वीप समूह पर अपना दावा जताते हैं। चीन के तटरक्षक बल ने फिलिपीन पर आरोप लगाया है कि उसके एक जहाज ने जानबूझकर चीनी पोत को टक्कर मारी है। चीनी तट रक्षक बल के प्रवक्ता गान यू ने एक बयान में दावा किया, "फिलिपीनी तट रक्षक बल के दो जहाज सबीना शोल के पास जल क्षेत्र में दाखिल हुए, चीनी तट रक्षक बल की चेतावनी को नजरअंदाज किया और तड़के 3रू24 बजे एक चीनी पोत को जानबूझकर टक्कर मार दी।" गान यू ने कहा, "इस टक्कर के लिए फिलिपीनी पक्ष पूरी तरह से जिम्मेदार है। हम फिलिपीनी पक्ष को क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन और उकसावे भरी कार्रवाई तुरंत बंद करने की चेतावनी देते हैं, वरना उसे इसके सभी गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।" पश्चिमी फिलीपीन सागर पर फिलिपीन के 'नेशनल टास्क फोर्स' ने कहा कि तटरक्षक बल के दो जहाजों 'बीआरपी बागाके' और 'बीआरपी केप एंगानो' को क्षेत्र में पाटाग और लावाक द्वीपों की ओर जाते समय चीनी तटरक्षक जहाजों के ''अवैध व आक्रामक युद्धाभ्यास का सामना करना पड़ा।" बयान में कहा गया है, ''इन खतरनाक युद्धाभ्यासों के परिणामस्वरूप टक्कर हुई, जिससे फिलिपीन तट रक्षक बल के दोनों जहाजों को संरचनात्मक क्षति हुई।'' टास्क फोर्स ने कहा कि 'बीआरपी केप एंगानो' और एक चीनी जहाज के बीच हुई टक्कर के कारण फिलीपीन के जहाज के 'डेक' पर लगभग 5 इंच चौड़ा एक छेद हो गया है।

हमास संग युद्ध विराम को अभी इजरायल हुआ ही था तैयार, इधर हिजबुल्ला ने कर दिया तगड़ा प्रहार, उत्तरी इलाके में मच गई भीषण तबाही

इजरायल की तरफ से हमास के खिलाफ संघर्ष विराम के लिए अमेरिका समर्थित प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है। इजरायल और हमास के बीच कई महीनों से संघर्ष जारी है। लेकिन अब इजरायल और लेबनान के बीच जंग का मोर्चा फिर से तेज हो सकता है। खबर के अनुसार लेबनान समर्थित हिजबुल्ला की तरफ से इजरायल पर बड़ा रॉकेट हमला किया गया है। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने कब्जे वाले गोलान हाइट्स में इजरायली सेना के ठिकानों पर घातक रॉकेट बैराज लॉन्च किया। लेबनान स्थित समूह ने कहा कि यह हमला पिछले दिन पूर्वी लेबनान पर इजरायली हमलों के जवाब में था। 19 अगस्त को इजराइल ने कथित तौर पर बेका घाटी पर हमले किए

थे। एक सूत्र ने एएफपी को बताया कि इजरायली हमले में पूर्वी क्षेत्र में हथियार डिपो को निशाना बनाया गया था। इज़राइल की सेना ने गाजा में सुबह–सुबह कई हमले किए हैं, जिसमें कई फिलिस्तीनी मारे गए और घायल हुए हैं। ब्यूरिज शिविर में एक परिवार के घर पर बमबारी, जिसमें छह लोग मारे गए। राफ़ा शहर में एक घर पर हमला, चार लोगों की मौत। खान यूनिस के पास अल–मवासी क्षेत्र के बाहरी इलाके में टैंक में आग लग गई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। गाजा शहर के पड़ोस ताल अल–हलवा, सबरा और ज़िटौन में गोलाबारी। इजारयली हमलों के बीच खबर आई की अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजरायल के युद्ध विराम के लिए तैयार होने की बात कही है। वहीं उन्होंने हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस प्रस्ताव से गाजा में युद्ध विराम हो जाएगा, सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित हो जाएगी, ये सुनिश्चित हो जाएगा कि पूरे गाजा में मानवीय सहायता पहुंच सके।

चीन–रूस के बाद अब ईरान को लेकर एफबीआई ने किया बड़ा दावा, ट्रम्प और बिडेन–हैरिस के कैंपेन को बनाया जा रहा निशाना

अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति अभियान की हैक के लिए ईरान जिम्मेदार था। साइबर घुसपैठ को तेहरान द्वारा अमेरिकी राजनीति में हस्तक्षेप करने और संभावित रूप से चुनाव के नतीजे को आकार देने के हिस्से के रूप में दर्शाया गया था। एफबीआई और अन्य संघीय एजेंसियों का आकलन पहली बार था जब अमेरिकी सरकार ने उन हैक को दोषी ठहराया है जिन्होंने विदेशी चुनाव में हस्तक्षेप के खतरे को फिर से बढ़ा दिया है और रेखांकित किया है कि रूस और चीन जैसे अधिक परिष्कृत विरोधियों के अलावा ईरान कैसे शीर्ष पर बना हुआ है। चिंता। ट्रम्प अभियान में सेंध लगाने के अलावा, अधिकारियों का यह भी मानना घ्है कि ईरान ने कमला हैरिस के राष्ट्रपति अभियान में सेंध लगाने की कोशिश की है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अन्य संघीय एजेंसियों के आकलन में पहली बार अमेरिकी सरकार ने हैकिंग के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।